30 अगस्त 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आखिर क्यों नहीं छोड़ रहा है स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय का बक्सर मोह
3

अगर मैं उपराष्ट्रपति बना तो संविधान की रक्षा करूंगा : बी सुदर्शन रेड्डी

एजेंसी/नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मैं दोनों सदनों के सभी सदस्यों को एक विस्तृत पत्र लिखने का प्रस्ताव करता हूं। मैं सभी सदस्यों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे मेरी उम्मीदवारी पर विचार करने की अपील करता हूं। उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि वह अपनी उम्मीदवारी पर विचार करने को लेकर लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को पत्र लिखेंगे। अगर मुझे उपराष्ट्रपति के रूप में सेवा करने का अवसर दिया गया तो वह संविधान की रक्षा करेंगे।उन्होंने कहा कि संविधान के साथ मेरी यात्रा 1971 में शुरू हुई।

जब मुझे आंध्र प्रदेश बार काउंसिल के अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया गया। इसके बाद वे उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश बने। बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मैं किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य नहीं हूं। मैं कभी किसी राजनीतिक दल या संगठन का सदस्य नहीं रहा। भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य बनने का मेरा कोई इरादा नहीं है। यही कारण है कि मैं एकमात्र उम्मीदवार हूं जो सभी राजनीतिक दलों, रंगों, मतों के सांसदों से अनुरोध कर सकता हूं कि वे मेरी उम्मीदवारी पर उसके गुणों के आधार पर विचार करें।उन्होंने कहा कि मैं दोनों सदनों के सभी सदस्यों को एक विस्तृत पत्र लिखने का प्रस्ताव करता हूं। मैं सभी सदस्यों को व्यक्तिगत पत्र लिखकर उनसे मेरी उम्मीदवारी पर विचार करने की अपील करता हूं। मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर अपील करुंगा। यदि मुझे मौका मिला तो मैं भाजपा नेतृत्व से मिलने को तैयार हूं। इससे पहले दिन में रेड्डी ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट मांगने के लिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। ठाकरे ने रेड्डी से कहा कि उनकी पार्टी और महा विकास अघाड़ी के अन्य घटक उपराष्ट्रपति चुनाव में पूरे दिल से उनका समर्थन कर रहे हैं। शिवसेना प्रमुख ने रेड्डी की जीत की उम्मीद जताते हुए कहा कि चमत्कार हो सकते हैं। एनडीए के जो सांसद देश से प्यार करते हैं, वे रेड्डी को वोट दे सकते हैं।बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उद्धव ठाकरे के समर्थन के बिना विपक्ष में मेरी उम्मीदवारी पर आम सहमति संभव नहीं होती। वह आधुनिक महाराष्ट्र का निर्माण करने वाले राजनेता का आशीर्वाद लेने आए हैं। रेड्डी की उम्मीदवारी का समर्थन करते हुए पवार ने कहा कि जब एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल थे, तब एक मुख्यमंत्री को राजभवन के अंदर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने पूछा कि वह भारत के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद को क्या सम्मान देंगे? उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रेड्डी ने इस बात को खारिज कर दिया कि यह मुकाबला दक्षिण बनाम दक्षिण का है, क्योंकि दोनों उम्मीदवार दक्षिणी राज्यों से हैं। उन्होंने कहा कि इसे इस तरह से चित्रित करना सबसे अनुचित है। यह दो व्यक्तियों के बीच मुकाबला है। देश एक है, राष्ट्र एक है।

टोक्यो में बोले पीएम मोदी...भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान पहुंच चुके हैं। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के आमंत्रण पर पीएम मोदी यहां 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। अपनी जापान यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि जापान यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत-जापान की विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को नए आयाम देना है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हुए हैं और अब ध्यान आर्थिक, निवेश और नई प्रौद्योगिकियों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और सेमीकंडक्टर सहयोग पर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और जपान एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, समृद्ध और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। आतंकवाद और साइबर सिक्यूरिटी को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। रक्षा और समुद्री सुरक्षा से हमारे साझे हित जुड़े हुए हैं। हमने निर्णय किया है कि डिफेंस इंडस्ट्री और इनोवेशन के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और सशक्त किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और जपान एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, समृद्ध और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। आतंकवाद और साइबर सिक्यूरिटी को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। रक्षा और समुद्री सुरक्षा से हमारे साझे हित जुड़े हुए हैं। हमने निर्णय किया है कि डिफेंस इंडस्ट्री और इनोवेशन के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और सशक्त किया जायेगा।

हिमाचल प्रदेश में चम्बा सहित भरमौर में भारी बारिश ने खूब मचाई तबाही

हिमाचल : चंबा में लैंडस्लाइड से 11 की मौत

एजेंसी/चम्बा

हिमाचल प्रदेश में चम्बा सहित भरमौर में भारी बारिश ने खूब तबाही मचाई है. चंबा में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है. यात्रा पर रोक लगा दी गई है. मणिमहेश से 3,000 लोग वापस लौट आए हैं, जबकि 7,000 तीर्थ यात्री अभी भी फंसे हुए हैं. श्रद्धालुओं की जानकारी के लिए प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं. यह यात्रा हर साल जन्माष्टमी से राधाष्टमी तक आयोजित की जाती है. इस साल, जन्माष्टमी 16 अगस्त को है और राधाष्टमी 31 अगस्त को होगी. बता दें, हिमाचल प्रदेश में हुई भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. भरमौर शेष दुनिया से पूरी तरह से कट चुका है. कई मीटर सड़कें जगह-जगह से टूट गई हैं. दूरसंचार सेवाएं भी कई हिस्सों में बहाल नहीं हो पा रही हैं. मणिमहेश में हजारों यात्री फंसे हुए हैं. पिछले चार-पांच दिनों से भूस्खलन और लगातार मूसलाधार बारिश होने के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर पैदल ही निकल पड़े हैं. जिला चंबा के भरमौर में प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा चली हुई है. पिछले चार दिनों से मोबाइल नेटवर्क बंद था, जिससे यात्रा में गए यात्रियों का संपर्क उनके परिवार के लोगों के साथ नहीं हो रहा था और वे चिंतित थे. भरमौर में भी मणिमहेश यात्रा में गए लोग भूस्खलन और मार्ग बाधित होने के कारण जगह-जगह फंस गए हैं. राज्यभर में दो राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 795 सड़कें बंद हो चुकी हैं और पांच जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान बंद करने का आदेश दिया गया है. लगातार बारिश के कारण ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ रहा है. आईएमडी ने चंबा, कांगड़ा और मंडी के लिए दो दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर घरों में पानी घुस गया. चंबा जिले में पांच घर ढह गए हैं।

1200 करोड़ बैंक घोटाले में ईडी की बड़ा एक्शन

कारोबारी करण चनाना और अनीता दैंग पर कसा शिकंजा

एजेंसी/नई दिल्ली

ईडी ने 1200 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में बड़ा कदम उठाया है. गुरुग्राम जोनल ऑफिस की तरफ से अमीरा प्योर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर करण ए. चनाना और डायरेक्टर अनीता दैंग के खिलाफ दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में अर्जी दी गई थी. अदालत ने ये अर्जी मंजूर कर ली है और अब इन दोनों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. ईडी ने कोर्ट से मांग की थी कि दोनों आरोपियों को फरार आर्थिक अपराधी घोषित किया जाए और इनकी 131 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त की जाए. कोर्ट ने 18 जुलाई 2025 को ईडी की अर्जी पर सहमति देते हुए नोटिस जारी कर दिया. अमीरा फूड्स ग्रुप, जो बासमती चावल और पैकेज्ड फूड का कारोबार करता था, इन्होंने अलग-अलग बैंकों से लगभग 1201.85 करोड़ रुपये का लोन लिया था. इसमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी कैनरा बैंक की थी, लेकिन साल 2017 में ये लोन नॉन परफॉर्मिंग एसेट घोषित हो गया. इसके बाद सीबीआई ने केस दर्ज किया. जांच में सामने आया कि कंपनी के डायरेक्टर, प्रमोटर और कर्मचारियों ने बैंकों से मिले पैसे को सही जगह इस्तेमाल करने के बजाय इधर-उधर घुमाया और गड़बड़ी की. इससे बैंकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ. ईडी की जांच में साफ हुआ कि कंपनी के डायरेक्टर और प्रमोटर्स ने मनी लॉन्ड्रिंग की और बैंक से लिए पैसे को बाहर निकाला. इस मामले में ईडी अब तक 21 लोगों और कंपनियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है. जांच के दौरान ईडी ने करीब 131.51 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच भी की।

बिहार के सभी पीडीएस दुकानों की सघन जांच शुरू

गड़बड़ी करने वाले डीलर्स की खैर नहीं सरकार ने जिलों को जारी किया आदेश

एजेंसी/नई दिल्ली

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने शुक्रवार से जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्यव्यापी निरीक्षण अभियान की शुरूआत की है। इस संदर्भ में प्रधान सचिव पंकज कुमार ने सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि राज्य के प्रत्येक जन वितरण प्रणाली दुकान का अनिवार्य रूप से निरीक्षण किया जाए ताकि पात्र लाभुकों को निर्धारित मात्रा एवं गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न ससमय मिलना सुनिश्चित हो सके। राज्यव्यापी निरीक्षण अभियान के तहत आज दिनांक 29 अगस्त 2025 को विभाग द्वारा "Zero Office Day घोषित किया गया। शुक्रवार को आपूर्ति से जुड़े सभी पदाधिकारी-उप निदेशक (खाद्य), अपर जिला दंडाधिकारी (आपूर्ति), जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पणन पदाधिकारी एवं आपूर्ति निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर लगभग 3617 जन वितरण दुकानों की PDS PARAKH मोबाइल ऐप के माध्यम से विशेष सघन निरीक्षण किया गया। इसके बाद 2 सितम्बर से 9 सितम्बर 2025 तक राज्य के प्रत्येक जिले की अब शेष सभी जन वितरण प्रणाली दुकानों का क्रमवार और नियमित निरीक्षण किया जाएगा।

अगले चार दशक में मंगल पर उतरने और इंसानों को बसाने की तैयारी में इसरो

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आने वाले 40 वर्षों के लिए बेहद महत्वाकांक्षी खाका तैयार किया है। इस रोडमैप में मंगल ग्रह पर 3डी प्रिंटेड घर बनाना, इंसानों को मंगल पर उतारना, चांद पर खनन करना और वहां इंसानी ठिकाना बनाना जैसी बड़ी योजनाएं शामिल हैं। यह रोडमैप पूरे देशभर में किए गए विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है और हाल ही में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर इसे

अंतिम रूप दिया गया। इसरो के रोडमैप के मुताबिक, भारत का लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक चांद पर एक क्रू स्टेशन यानी इंसानों के रहने और काम करने लायक ठिकाना बनाया जाए। यहां खनिज और संसाधनों की खुदाई होगी। चांद की सतह पर चलने वाले मानवयुक्त वाहन काम करेंगे। उचांद पर ही ईंधन भंडारण केंद्र बनाए जाएंगे, ताकि दूर ग्रहों की यात्राओं और चांद पर लंबे समय तक रुकने के लिए मदद मिल सके। अभी तक इसरो का सबसे ताकतवर रॉकेट जीएसएलवी मार्क-क्कक्कहै, जो 4 टन तक का पेलोड भू-स्थिर कक्षा (जीटीओ) में और करीब 8 टन तक का पेलोड निचली पृथ्वी की कक्षा (एलईओ) में ले जा सकता है। लेकिन भविष्य के लिए इसरो बहुत बड़ी छलांग की तैयारी कर रहा है।

एलएमएलवी नाम का नया रॉकेट बना रहा इसरो

इसरो की तरफ से चंद्र मॉड्यूल प्रक्षेपण यान (एलएमएलवी) नाम का नया रॉकेट बनाया जा रहा है। यह 119 मीटर ऊंचा होगा (करीब 40 मंजिला इमारत जितना)। इसमें इतनी क्षमता होगी कि यह 80 टन तक का पेलोड निचली पृथ्वी की कक्षा में और 27 टन तक का पेलोड चांद की कक्षा में ले जा सकेगा। यह रॉकेट 2035 तक तैयार होने की उम्मीद है और इसी से भारत पहली बार इंसानों को चांद पर भेजेगा (लक्ष्य वर्ष 2040)।मंगल ग्रह पर नजर, इसरो की योजना है कि अगले चार दशकों में मंगल पर इंसानों को भेजा जाए और वहां 3डी प्रिंटेड घरों में इंसानों का ठिकाना बनाया जाए। यह काम चरणबद्ध तरीके से होगा। पहले मंगल पर उतरने की तैयारी होगी, उसके बाद लंबी अवधि तक ठहरने योग्य बुनियादी ढांचा बनाया जाएगा।

बक्सर में मेडिएशन फॉर द नेशन और नालसा की योजनाओं पर समीक्षा बैठक आयोजित

न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सरल, सुलभ और समाजोन्मुख बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक - हर्षित सिंह

- राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी के साथ आशा व सितारा योजना के सफल क्रियान्वयन पर जोर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मेडिएशन फॉर द नेशन कार्यक्रम और नालसा द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सफल संचालन को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार हर्षित सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक उनके प्रकोष्ठ में हुई, जिसमें न्यायिक पदाधिकारी, पैनल अधिवक्ता और जिला प्राधिकरण से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि मेडिएशन फॉर द नेशन कार्यक्रम एक जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इस अवधि में बड़ी संख्या में वादों का निपटारा आपसी सहमति और सुलह के आधार पर किया गया। साथ ही विधिक सहायता प्रतिरक्षा प्रणाली की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई, जिसके तहत गरीब और असहाय वर्ग को न्याय तक आसान पहुंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। नालसा द्वारा चलाई जा रही आशा योजना, जिसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा को सशक्त करना है, तथा सितारा योजना, जो ट्रांसजेंडर समुदाय के उत्थान और मुख्यधारा में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर केंद्रित है, की भी प्रगति पर चर्चा हुई। अध्यक्ष हर्षित सिंह ने उपस्थित अधिकारियों और पैनल अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नेहा दयाल ने बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि अधिक से अधिक सुलहनिये वादों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए ताकि न्यायपालिका पर बोझ कम हो और आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके। बताते चलें कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर 2025 को किया जाएगा। बैठक में प्रधान न्यायाधीश मनोज कुमार प्रथम, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश देवराज, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी देवेश कुमार सहित प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़े पैनल अधिवक्ता विनय कुमार सिंहा, कुमार मानवेंद्र, संजय कुमार चौबे, अभिनव वशिष्ट और विकास यादव आदि उपस्थित रहे। बैठक का निष्कर्ष रहा कि न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सरल, सुलभ और समाजोन्मुख बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। खासतौर पर मध्यस्थता, विधिक सहायता और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग को न्याय दिलाना जिला विधिक सेवा प्राधिकार की प्राथमिकता बनी रहेगी।

बैंकों की तिमाही समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त ने जताया असंतोष, वित्तीय समावेशन अभियान तेज करने का दिए निर्देश

जिले की विकास योजनाओं पर सख्ती, ऋण लक्ष्य हर हाल में हासिल करें बैंक : उप विकास आयुक्त

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी की अध्यक्षता में जून-2025 तिमाही की जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति तथा जिला स्तरीय आर-सेटी परामर्शदात्री समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त-बैंकिंग रवि बहादुर, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक आशीष रंजन, जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक ज्योत्सना वर्मा, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक एस.एम. जफर अहमद, आर-सेटी की निदेशिका तृप्ति आनंद समेत विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

बैंकों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर असंतोष

बैठक की शुरूआत वित्तीय वर्ष 2024-25 की जून-2025 तिमाही प्रगति रिपोर्ट की प्रस्तुति से हुई। इस दौरान उप विकास आयुक्त ने जिले के साख-जमा अनुपात और वार्षिक ऋण योजना की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कई बैंकों द्वारा निर्धारित लक्ष्य से कम प्रगति पर असंतोष जताया और कहा कि सभी बैंक समन्वयक अपने वार्षिक ऋण लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं का लाभ तभी मिलेगा जब बैंक अपनी भूमिका गंभीरता से निभाएं। जो बैंक पीछे रह गए हैं, उनके समन्वयकों को विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया।

कृषि व पशुपालन क्षेत्र को बढ़ावा देने पर जोर

नए केसीसी खातों को बढ़ाने पर चर्चा करते हुए उप विकास आयुक्त ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के पदाधिकारियों को बैंकों के साथ सक्रिय सहयोग करने को कहा। उन्होंने बताया कि कृषि और 'ससपमक मबजवते की मजबूती जिले की अर्थव्यवस्था के लिए अहम है। नाबार्ड के प्रतिनिधि ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई और सभी बैंकों से अपील की कि वे बड़े कृषि ऋण प्रस्तावों को प्राथमिकता दें।

प्रधानमंत्री योजनाओं पर संतोष, पर गति बढ़ाने की जरूरत

पीएमईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) और पीएमएफएमई (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना) की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया। हालांकि उप विकास आयुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिया कि ऋण स्वीकृति के बाद तुरंत वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभार्थी बिना विलंब योजना का लाभ उठा सकें।

वित्तीय समावेशन अभियान को रफ्तार दें

वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि संतृप्ति अभियान को और तेज किया जाए। उन्होंने निष्क्रिय खातों के रि-केवाईसी कर उन्हें चालू करने पर भी जोर दिया।

लोक मांग बसूली मामलों पर सख्ती

बैठक में पीडीआर अधिनियम के तहत दायर केसों पर भी चर्चा हुई। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी बैंक प्रबंधक हर माह के प्रथम सोमवार को आयोजित होने वाले कैंप में अपने केसों का रजिस्टर-9 और 10 से मिलान अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि जो शाखाएं इस दिशा में लापरवाही बरतेंगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए कंट्रोलिंग ऑफिस को सूचित किया जाएगा।

बैंकों की भूमिका अहम, जनता तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

बैठक के अंत में उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिले की विकास योजनाओं और आम लोगों तक सरकारी सुविधाओं को पहुंचाने में बैंकों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने दोहराया कि ऋण लक्ष्य हासिल करना, कृषि ऋण को बढ़ावा देना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का संतृप्तिकरण और वित्तीय समावेशन को मजबूत करना प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि जिले के विकास में बाधा बनने वाली किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डुमरांव में कांग्रेस-राजद के खिलाफ फूटा आक्रोश , पुतला दहन कर जताया विरोध

केटी न्यूज/डुमरांव

कांग्रेस और राजद के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माताजी पर की गई अभद्र टिप्पणी ने बिहार की राजनीति को गर्मा दिया है। इस घटना को न केवल राजनीति का स्तर गिराने वाला बताया जा रहा है, बल्कि भारतीय संस्कृति और मातृशक्ति के सम्मान पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर शुक्रवार को डुमरांव थाना पर भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस-राजद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे और माहौल गगनभेदी नारों से गूंज उठा मां का अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान। महागठबंधन शर्म करो, बिहार छोड़कर भागो। बिहार की धरती पर नहीं चलेगा, मां का अपमान जैसे नारों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया। युवा भाजपा नेता दीपक यादव ने कहा कि पहले बिहार का अपमान और अब प्रधानमंत्री की माताजी पर अभद्र टिप्पणी यह कांग्रेस और राजद के मानसिक दिवालियेपन की पराकाष्ठा है। बिहार की जनता अब चुप नहीं बैठने वाली, आने वाले चुनाव में इसका कड़ा जवाब देगी। वहीं, भाजपा कार्यकर्ता अभिषेक रंजन ने कहा कि पुतला दहन इस बात का प्रतीक है कि बिहार की जनता महागठबंधन की घटिया और नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है। मुखिया कुशवाहा ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-राजद गठबंधन को बिहार की धरती से हमेशा के लिए उखाड़ फेंकना है। सभा में भाजपा नेता शक्ति राय, धनंजय सिंह, युवा नेता संटू मित्रा, शुभम सिन्हा, राहुल सूर्यवंशी, शेर बहादुर उर्फ शेरू सिंह सहित कई नेताओं ने कांग्रेस-राजद के खिलाफ तीखे बयान दिए। मौके पर शुभम सिंह, अजय राय, सांभा कुशवाहा, अंकुर कुमार, शुभम राय, पिकी पाठक, प्रमिला पांडे, गोपाल प्रसाद, अमित कुमार, शिवजी शर्मा, राजा यादव, कपिल मुनि उपाध्याय, रिंकू गुप्ता, श्रीकांत ओझा समेत बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्टेशन रोड की मरम्ती कार्य की निगरानी रखने के लिये विधायक ने नगरवासियों से कहा

डुमरांव। डुमराँव के भाकपा-माले विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने शहर की अत्यंत जर्जर मुख्य सड़क के हो रहे मरम्मति कार्य का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनता से कहा कि यह सड़क आपकी है, कैसी बन रही है, इस पर निगरानी रखना आपका कार्य है। उन्होंने कहा कि वर्षों से गड्ढों और सड़क पर पानी गिरने से कीचड़ से जूझ रही इस सड़क से जनता को भारी कष्ट से जूझ रही थी। कार्य शुरू होने पर नगरवासियों ने उनकी काफी सराहना करते हुए खुशी जताया। विधायक ने घिरे लोगों से कहा कि इस सड़क की मरम्मत कार्य हमारी प्राथमिकता में था। 8 बार इसका टेंडर कैंसल होने से सड़क निर्माण में देर हुआ। विधानसभा में आवाज उठाने, अधिकारियों पर दबाव बनाने और जन आंदोलनों के जरिए उन्होंने सरकार को कार्य शुरू करने के लिए मजबूर किया। उनके प्रयासों से बजट स्वीकृत हुआ और निर्माण शुरू हो पाया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने ठेकेदारों को समयबद्ध कार्य का निर्देश दिया और कहा, "यह सड़क शहर की जीवनरेखा है, जनता का हक है कि यह मजबूत बने।" स्थानीय निवासियों में उत्साह है।

राष्ट्र रक्षा के लिए जरूरी है एनसीसी का प्रशिक्षण : सुबेदार मेजर

- राज हाई स्कूल में किया गया एनसीसी कैडेट्स का चयन कैडेट्स में दिखा उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के राज प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में शुक्रवार को नये सत्र के लिए एनसीसी कैडेट्स के चयन के लिए शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के सुबेदार मेजर दुबराज साहु की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें शारीरिक दक्षता, मेडिकल एवं लिखित परीक्षा के आधार पर नये सत्र के लिए कैडेट्स का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया के दौरान कैडेट्स का उत्साह देखते ही बन रहा था। कैडेट्स की चयन प्रक्रिया के दौरान उन्हें कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। उनमें सफल छात्रों का चयन किया गया। इस दौरान एनसीसी के रामतीर्थ दास ने नये सत्र के लिए चयनित कैडेट्स को एकता एवं अनुशासन का महत्व समझाया तथा भावी जीवन की शुभकामना देने के साथ ही ईमानदारी व कर्मठता का पाठ पढ़ाया। जबकि सुबेदार मेजर दुबराज साहु ने कहा कि राष्ट्र रक्षा के लिए छात्रों को एनसीसी का प्रशिक्षण लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एनसीसी में छात्रों को मिलीट्री साइंस की जानकारी दी जाती है तथा एनसीसी कैंपों में उन्हें आत्मरक्षा, वेपेन टेजनिंग, मैप रीडिंग, फर्स्ट ऐड, सामाजिक कार्यों आदि का प्रशिक्षण देकर उन्हें देश सेवा के लिए तैयार किया जाता है। सुबेदार मेजर ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स सामान्य छात्रों की तुलना में अधिक दक्ष होते है तथा उनमें देशसेवा की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। वहीं, राज हाई स्कूल के एनसीसी शिक्षक डॉ. संजय रंजन सिन्हा ने कैडेट्स को एनसीसी का महत्व समझाया तथा कहा कि एनसीसी का प्रशिक्षण जीवन में बहुत काम आने वाला है। उन्होंने चयनित कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि प्रशिक्षण पूरे मन से लेना है तथा इस दौरान एनसीसी के गाइड लाइन का पालन करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करने के लिए कई और बाते भी कही। इस मौके पर एनसीसी के पूर्व कैडेट शिवम पांडेय, श्यामा दूबे, शत्रुघ्न ठाकुर, रोहित कुमार यादव, खुशी कुमारी, अर्चना कुमारी आदि चयन प्रक्रिया को सफल बनाने में तत्पर दिखे। मौके पर कई अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

डीसीएलआर के आदेश के बाद भी नहीं हट सका अतिक्रमण

नावानगर। भूमि विवाद में अदालत और प्रशासनिक आदेश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटने से सोनवर्षा के दो पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। फरियादी बैजू तुरहा पिछले तीन महीने से अंचल और थाना का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक न्याय नहीं मिल पाया है।मामला नावानगर अंचल स्थित सोनवर्षा के बैजू तुरहा और दूसरे पक्ष के भुखालु तुरहा, शिवजी तुरहा, जिउत तुरहा व घुरन तुरहा के बीच भूमि विवाद से जुड़ा है। बताया जाता है कि यह जमीन विवाद स्पेशल लोक अदालत में गया था, जहां दोनों पक्षों के बीच बंटवारा हुआ और द्वितीय पक्ष ने हिस्से के अनुसार 4 फीट रास्ता देने की बात स्वीकार की। मगर बाद में उन्होंने अपने वादे से मुकरते हुए रास्ता देने से इनकार कर दिया। इसके बाद प्रथम पक्ष बैजू तुरहा ने भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) डुमरांव का दरवाजा खटखटाया। डीसीएलआर ने मामले की सुनवाई कर तीन महीने पूर्व नावानगर अंचल कार्यालय को अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश दिया था। आदेश के बावजूद अब तक जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका है, जिससे दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की तो कभी भी राजपुर जैसी घटना घट सकती है। इस संबंध में सीओ रानी कुमारी ने बताया कि अतिक्रमण हटवाने के लिए थाना को निर्देशित किया गया था। इसके लिए कर्मी भी भेजे गए, लेकिन उस समय थानाध्यक्ष थाना पर मौजूद नहीं थे। दूसरी ओर थानाध्यक्ष नवीन कुमार का कहना है कि अतिक्रमण हटाने का आदेश भूमि सुधार उप समाहर्ता की ओर से दिया गया है और इसमें मजिस्ट्रेट के रूप में सीओ की भूमिका है। लेकिन सीओ की ओर से पहल नहीं हो रही है।

बिजली चोरी पर कार्रवाई, उपभोक्ता पर 1.33 लाख का जुर्माना

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के लहना गांव में बिजली विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक उपभोक्ता को विद्युत चोरी के आरोप में पकड़ा। सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा के नेतृत्व में चलाए गए सघन छापेमारी अभियान के दौरान उपभोक्ता को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया। इस पर विभाग ने एक लाख 33 हजार 572 रुपये का जुमार्ना लगाया और कोरानसराय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि विद्युत ऊर्जा चोरी से विभाग को भारी राजस्व हानि हो रही है, जिसे रोकने के लिए अभियान जारी रहेगा। पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए विद्युत अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। विभागीय छापेमारी से इलाके में बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

शिक्षा की गुणवत्ता से लेकर आधारभूत ढांचे तक पर हुई चर्चा

डुमरांव विधायक डा. अजीत की अध्यक्षता में 38 प्रधानाध्यापकों संग बैठक

- बैठक में विद्यालयों के समग्र विकास पर किया गया मंथन, दी गई कई अहम जानकारियां

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्थित राज प्लस 2 उच्च विद्यालय परिसर में शुक्रवार को डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के सभी 38 उच्च तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) की भूमिका को और अधिक सशक्त करना तथा शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों के भौतिक व प्रशासनिक विकास पर व्यापक समीक्षा करना था। इस बैठक की अध्यक्षता स्थानीय विधायक सह एसएमडीसी के अध्यक्ष डॉ. अजित कुमार सिंह ने की। बैठक में सबसे अहम विषय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर रहा। विधायक डॉ. सिंह ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति का आधार शिक्षा है, इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों में बेहतर पठन-पाठन वातावरण उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों की सक्रियता और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति ही शिक्षा सुधार का आधार है। इस दौरान छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा की गई।

आधारभूत ढांचा और डिजिटल शिक्षा पर फोकस

बैठक में विद्यालयों के आधारभूत ढांचे की समीक्षा की गई। शौचालय, पेयजल, कक्षा-कक्षों की स्थिति, पुस्तकालय और खेल-कूद की सुविधाओं पर प्रधानाध्यापकों ने अपने अनुभव साझा किए। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और इंटरनेट सुविधा की उपलब्धता को लेकर भी सुझाव दिए गए। विधायक ने आश्वासन दिया कि विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गति दी जाएगी ताकि छात्रों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा सके।

स्वच्छता और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन

विद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर भी बल दिया गया। प्रधानाध्यापकों ने माना कि स्वच्छ वातावरण में ही बच्चे स्वस्थ और सक्रिय रह सकते हैं। बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि सरकार की विभिन्न शिक्षा संबंधी योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति, पोषाहार, वर्दी, पुस्तक वितरण आदि का समय पर और पारदर्शी ढंग से क्रियान्वयन हो।

प्रधानाध्यापकों ने रखी अपनी बात

बैठक में सभी 38 उच्च तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने अपने-अपने विद्यालय की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और उपलब्धियों को साझा किया। कई विद्यालयों में संसाधनों की कमी, भवनों की जर्जर अवस्था, और अतिरिक्त शिक्षकों की आवश्यकता जैसी बातें सामने आई। वहीं कुछ विद्यालयों ने अपनी सफल पहल का अनुभव भी साझा किया, जिससे अन्य विद्यालय प्रेरणा ले सकते हैं।

प्रशासनिक समन्वय की सराहना

शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों ने एसएमडीसी की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यालय प्रबंधन समितियाँ सक्रिय भूमिका निभाएंगी, तो शिक्षा सुधार के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा। करीब तीन घंटे चली इस बैठक ने न केवल शैक्षणिक उन्नयन की राह दिखाई, बल्कि प्रशासनिक समन्वय को भी मजबूत करने का अवसर दिया। विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने सभी प्रधानाध्यापकों को भरोसा दिलाया कि शिक्षा की बेहतरी के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि आने वाले दिनों में डुमरांव क्षेत्र के विद्यालय शिक्षा गुणवत्ता और विकास कार्यों की दृष्टि से एक नई मिसाल कायम करेंगे।

आखिर क्यों नहीं छोड़ रहा है स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय का बक्सर मोह

- तबादले के बाद आखिर क्यों नहीं कर रहे है नये स्थल पर योगदान
- 31 जुलाई को ही हो गया था फर्स्ट आइडिया को 40 लाख का भुगतान, 14 अगस्त को किया गया अन्य एजेंसियों को भुगतान

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शिक्षा विभाग के खेल निराले है। एक तरफ कई पूर्व डीपीओ या डीईओ बहुत कम समय में ही बक्सर से अपना तबादला करा लिए तो दूसरी तरफ वर्तमान स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय का बक्सर मोह कुछ ऐसा है कि तबादले के बाद भी वे यहां से जाने को तैयार नहीं है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है।

बता दें कि हाल के दिनों में बक्सर का शिक्षा विभाग जिन तथाकथित माफियाओं तथा उनके संरक्षण में चलने वाली एजेंसियों के भुगतान को लेकर चर्चा में रहा है, उनमें सीधे तौर पर स्थापना डीपीओ की भूमिका सामने आई है। यहीं कारण है कि तबादले के बावजूद उनके यहां जमे रहने पर सवाल खड़े हो रहा है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि तथाकथित माफियाओं के संरक्षण में चल रही हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया हो या फिर अजय सिंह की शिक्षिका पत्नी शोभा देवी के निलंबन टूटते ही समस्त बकाए का भुगतान का मामला स्थापना डीपीओ ने भुगतान करने में काफी तत्परता दिखाई है। जबकि इसके उलट अन्य एजेंसियों या शिक्षकों के मामले में ऐसा नहीं देखा जा रहा है। जिससे शिक्षा माफियाओं के साथ इनके तालमेल से इंकार नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि विभागीय जांच में यह स्पष्ट हो गया था कि हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया का चयन मानकों के अनुरूप नहीं किया गया था तथा पूर्व से कार्यरत एजेंसी को बिना किसी ठोस कारण के हटाकर उसके जगह फर्स्ट आइडिया को वर्क ऑर्डर दिया गया था।

यहीं नहीं बल्कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों के बाद इस मामले की जांच उप समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की तीन सदस्यीय कमेटि कर रही थी, इस बीच स्थापना डीपीओ ने अन्य एजेंसियों को छोड़ सबसे पहले 31 जुलाई को ही फर्स्ट आइडिया को 40 लाख रूपए का भुगतान कर दिया गया। यहीं, नहीं बल्कि 13 अगस्त को भी 12 लाख का भुगतान इस एजेंसी को किया गया, जबकि अन्य एजेंसियों को यह भुगतान 14 अगस्त को किया गया।

यहां सवाल उठता है कि जांच पूरी होने के पहले भुगतान में क्यों जल्दबाजी की गई तथा जिस एजेंसी के चयन पर ही सवाल था उसे पहले क्यों पैसा दिया गया।

वहीं, विभागीय सूत्रों का कहना है कि अभी अनुकंपा पर बहाली तथा शिक्षकों के प्रोन्नति का मामला विभाग में चल रहा है, जिसमें मैनेज के खेल से इंकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे में कयाश लगाया जा रहा है कि मैनेज के खेल में माहिर स्थापना डीपीओ कही जानबूझकर तो बक्सर में अपना पांव नहीं जमाए है। इसके अलावे विभागीय जानकारों का यह भी कहना है कि हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया को भुगतान सहित कई ऐसे मामले भी जिनकी यदि निष्पक्षता से जांच की जाए तो स्थापना डीपीओ की कलई खुल सकती है।

गौरतलब हो कि छह अगस्त को ही शिक्षा विभाग द्वारा कई डीपीओ का स्थानांतरण किया गया था। इस दौरान बक्सर के स्थापना डीपीओ का तबादला कैमूर जिला में किया गया है। बावजूद वे अभी तक कैमूर में योगदान नहीं किये हैं। जबकि विभाग द्वारा अविलंब सभी पदाधिकारियों को नये जगह पर योगदान करने का निर्देश दिया गया था।

इस मामले में बक्सर डीईओ संदीप रंजन ने बताया कि विभाग में अनुकंपा की बहाली की प्रक्रिया चल रही है। बहाली प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्थापना डीपीओ को यहां से विरमित किया जाएगा।

बोले डीडीसी पारदर्शी तरीके से किया जाएगा भुगतान मामले की जांच

वहीं, दूसरी तरफ दिशा की बैठक में जांच दौरान हाउस कीपिंग एजेंसियों के भुगतान मामले की जांच का नेतृत्व कर रहे बक्सर के डीडीसी आकाश चौधरी ने केशव टाइम्स को बताया कि इस मामले की पारदर्शी तरीके से जांच की जाएगी। डीडीसी ने कहा कि किसी भी सूरत में सरकारी धन के बंदरबांट तथा लूट खसोट करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्दी ही जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी। बता दें कि जांच के दौरान जिस हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन को शिक्षा विभाग के अधिकारियों दोषी माना था उसे सबसे पहले भुगतान किया गया। इसके अलावे फर्स्ट आइडिया द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित केनरा बैंक की शाखा से अरविंद सिंह, उसकी पत्नी समेत कुल चार खातों पर लाखों रूपए का ट्रांजेक्शन किया गया है। जांच के दौरान इस ट्रांजेक्शन पर भी डीडीसी की नजर रहेगी। डीडीसी का कहना है कि पूरे मामले की बारीकि से जांच कर ही रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

एक नजर

भटौली मां काली मंदिर परिसर में लगा राजस्व महाअभियान शिविर, सैकड़ों किसान पहुंचे

नावानगर। स्थानीय अंचल के भटौली मां काली मंदिर परिसर में शुक्रवार को राजस्व महा-अभियान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत क्षेत्र के सैकड़ों किसान बड़ी उम्मीद के साथ पहुंचे और अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करना था। कुल मिलाकर 100 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग एक तिहाई आवेदन जमाबंदी में हुई त्रुटियों के सुधार से संबंधित पाए गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि पंचायत क्षेत्र के किसानों को राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी की समस्या सबसे अधिक झेलनी पड़ रही है। शिविर की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने की, जिन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पंचायत स्तर पर किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से लिया जाएगा। वहीं शिविर का निरीक्षण अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर सीओ रानी कुमारी ने किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित राजस्व कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन करने का आदेश दिया। शिविर में राजस्व संबंधी अंचल स्तरीय अधिकारी व कर्मियों ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्काल समाधान योग्य आवेदनों पर कार्रवाई भी शुरू की। मौके पर किसानों ने कहा कि पहले उन्हें छोटी-छोटी त्रुटियों को सुधारने के लिए अंचल कार्यालय का बार-बार चक्कर लगाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में ही शिविर लगने से सुविधा हुई है।? शिविर के दौरान ग्रामीणों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे, ताकि उनकी समस्याओं का समय पर निपटारा हो सके। ग्रामीणों ने इस पहल को "सरकार आपके द्वार" की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

जर्जर सड़क बनी मुसीबत, कैथी-रघुनाथपुर मार्ग पर हर दिन जोखिम उठाते लोग

ब्रह्मपुर। कैथी पंचायत को रघुनाथपुर स्टेशन और ब्रह्मपुर प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली मुख्य सड़क की स्थिति दिनोंदिन खराब होती जा रही है। जगह-जगह गड्ढे और बारिश के पानी के कारण बना कीचड़ इस मार्ग को स्थानीय लोगों और राहगीरों के लिए एक बड़ी समस्या बना चुका है। पैदल चलने वाले, स्कूल-कॉलेज के छात्र, नौकरी-पेशा लोग, मरीज और स्टेशन जाने वाले यात्रीकृसभी को इस जर्जर मार्ग से रोजाना जोखिम उठाना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी शक्ति पांडेय, शेषनाथ यादव, हरिओम मिश्र और प्रमोद मिश्र ने बताया कि विभाग और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से यह सड़क पूरी तरह से दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है। आए दिन लोग फिसलकर गिर जाते हैं या वाहन दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। समस्या इतनी गंभीर है कि सड़क और नाले का गंदा पानी समीप स्थित दुर्गा मंदिर परिसर तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मरम्मत की मांग वे कई बार विभाग और स्थानीय प्रतिनिधियों से कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया तो कैथी पंचायत के लोग आंदोलन को बाध्य होंगे।यह मार्ग केवल कैथी पंचायत तक सीमित नहीं है, बल्कि रघुनाथपुर-बगेन मुख्य मार्ग से अनुमंडल मुख्यालय डुमरांव जाने वाले हजारों लोगों की जीवनरेखा है। रघुनाथपुर रेलवे फाटक पर लगने वाले लंबे जाम से बचने के लिए बड़ी संख्या में लोग इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। सड़क खराब होने से न केवल बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है बल्कि कामकाजी लोग, व्यापारी और अस्पताल जाने वाले मरीज भी भारी दिक्कत झेल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो हालात और बिगड़ेंगे। बरसात में सड़क कीचड़ से भर जाती है और गर्मी में धूल उड़ने लगती है। ऐसे में यह मुख्य मार्ग लोगों की सुविधा की बजाय मुसीबत बन चुका है।

प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में राष्ट्रीय खेल दिवस पर शपथ ग्रहण

केसठ। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसरों में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने खेलों के महत्व को समझते हुए शपथ ग्रहण किया कि वे जीवन में अनुशासन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम भावना को अपनाएंगे।मध्य विद्यालय केसठ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार, शिक्षक मनोज कुमार समेत अन्य शिक्षकों और बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेलों से बच्चों में आत्मविश्वास, साहस और एकजुटता की भावना विकसित होती है।शिक्षकों ने बच्चों को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया और बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वे अपने विद्यालय, प्रखंड, जिला और राज्य का नाम रोशन कर सकते हैं। इस दौरान बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक अपने विचार रखे और कहा कि वे खेलों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करेंगे।कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं ने एक स्वर में शपथ लिया कि वे नशामुक्त रहकर स्वस्थ जीवन अपनाएंगे और खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएंगे। पूरे प्रखंड के अन्य विद्यालयों में भी इसी तरह का आयोजन हुआ, जहाँ बच्चों के बीच खेलकूद को बढ़ावा देने की दिशा में जागरूकता फैलाई गई।

मां की गाली देने वालों का मिट जाएगा नामों निशान : नित्यानंद राय

- बक्सर में एनडीए ने किया ताकत का प्रदर्शन, बक्सर किला मैदान में कार्यकर्ता सम्मेलन में विपक्ष पर बरसे नित्यानंद राय
- नीतीश कुमार की अगुवाई और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने का किया दावा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक किला मैदान में शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन ने न केवल एनडीए की एकजुटता का संदेश दिया बल्कि विपक्ष को कड़े शब्दों में घेरते हुए 2025 विधानसभा चुनाव की तैयारी का बिगुल भी फूंका।सम्मेलन की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने जबकि संचालन भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय समेत मंच पर मौजूद सभी नेताओं का एनडीए कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

संतोष निराला बोले, जनता नीतीश कुमार से खुश और संतुष्ट

पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने अपने संबोधन में कहा कि एनडीए गठबंधन पूरी मजबूती से चुनाव मैदान में उतरेगा। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यशैली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से बिहार की जनता संतुष्ट है और 2025 में फिर से एनडीए को प्रचंड बहुमत दिलाएगी।

बिहार की तरक्की से बदला जीवन स्तर : महाबली सिंह

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद महाबली सिंह कुशवाहा ने कहा कि एनडीए शासन में बिहार विकास की राह पर आगे बढ़ा है। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए कार्यों से लोगों का जीवन स्तर बदला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर इस विकास यात्रा को जनता तक पहुंचाएं।

225 सीटें जीतने का दावा

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने जोश भरते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को 225 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत दिलाने जा रही है। उन्होंने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जिनके अपने रिश्ते-नाते और पारिवारिक संबंध मजबूत नहीं हैं, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेता को गालियां देते हैं।

नित्यानंद राय का हमला, मां को गाली देने वालों की विदाई तय

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव जैसे विपक्षी नेता यह पचा नहीं पा रहे कि एक गरीब का बेटा प्रधानमंत्री कैसे बन गया। राय ने तीखे लहजे में कहा कि नरेंद्र मोदी की मां को गाली देकर विपक्ष ने न सिर्फ प्रधानमंत्री का अपमान किया है, बल्कि देश की हर मां का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में मां को देवी माना गया है। मां को गाली देना किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं। देश की मातृशक्ति 2025 के चुनाव में इसका जवाब वोट से देगी। उन्होंने कहा कि मां की गाली देने वालों का नामो निशान मिट जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार की महिलाएं और माताएं विपक्ष को सबक सिखाने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और नीतीश कुमार की अगुवाई में बिहार और देश लगातार प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत वसुधर की महिलाओं को मिला जागरूकता का संदेश

- महिला सशक्तिकरण योजनाओं पर विस्तार से हुई चर्चा, गर्भवती महिला को दिलाया गया लाभ

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत ग्राम वसुधर की अनुसूचित जाति बस्ती में शुक्रवार को मिशन शक्ति योजना के तहत महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और उनके अधिकारों से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी देना रहा।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इनमें प्रधान मंत्री मातृत्व वंदना योजना (पीएमएमवीवाई), मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना (एमकेयूवाई), दहेज उन्मूलन, बाल विवाह रोकथाम, मद्य निषेध, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, परवरिश, स्पॉन्सरशिप, मानव व्यापार उन्मूलन, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, वन स्टॉप सेंटर सह महिला हेल्पलाइन 181, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन, सामाजिक पुनर्वास कोष, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, लिंग आधारित हिंसा और लैंगिक भेदभाव जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को यह बताया गया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही ये योजनाएं न केवल उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हैं बल्कि सामाजिक कुरीतियों और अन्याय के खिलाफ उनकी आवाज को मजबूत भी करती हैं। महिलाओं को विशेष रूप से इस बात के लिए प्रेरित किया गया कि वे शिक्षा और रोजगार से जुड़कर अपनी जीवनशैली को बेहतर बना सकती हैं।

कार्यक्रम में मौजूद जिला हब कार्यालय के लैंगिक विशेषज्ञ ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की सोच में बदलाव भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाने और अपने आसपास की अन्य जरूरतमंद महिलाओं को भी जागरूक करने का आह्वान किया। इस मौके पर एक गर्भवती महिला को प्रधान मंत्री मातृत्व वंदना योजना का प्रत्यक्ष लाभ दिलाया गया, जिससे उपस्थित महिलाओं को भरोसा मिला कि योजनाओं का लाभ वास्तव में जमीनी स्तर पर मिल सकता है।

कार्यक्रम में जिला हब कार्यालय के लैंगिक विशेषज्ञ एवं मल्टी टास्किंग स्टाफ सहित कई स्थानीय महिलाएं और बच्चियां भी उपस्थित रहीं।

इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास और जागरूकता का नया संचार हुआ।

ट्रैक पर पड़ा रहा महिला का शव क्षेत्राधिकार की खींचतान में उलझी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डीडीयू-पटना रेलखंड के डुमरांव स्टेशन के समीप शुक्रवार सुबह मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। सुबह करीब 6.40 बजे पोल संख्या 647/3028 के पास 30 वर्षीय अज्ञात महिला का शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और रेलयात्री द्रवित हो उठे, लेकिन पुलिस और जीआरपी की क्षेत्राधिकार की खींचतान के कारण शव करीब 10 घंटे तक ट्रैक पर पड़ा रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने पर जीआरपी मौके पर पहुंची, लेकिन आउटर सिग्नल के बाहर का क्षेत्र बताते हुए कार्रवाई से पीछे हट गई। दूसरी ओर, स्थानीय पुलिस भी जिम्मेदारी लेने में हिचकिचाती रही। नतीजतन, कई ट्रेनें वहां से गुजर गईं और लोग शव को देखकर गुजरते रहे, मगर उसे हटाने की पहल कोई नहीं कर सका।

मानवीय संवेदनहीनता का यह दृश्य क्षेत्रवासियों में आक्रोश का कारण बन गया। लोगों का कहना था कि तकनीकी बहस से अधिक महत्वपूर्ण मृत इंसान की गरिमा और संवेदना होती है। प्रशासनिक खींचतान ने मृतका के प्रति अनादर का परिचय दिया।

आखिरकार शाम को नया भोजपुर थाना पुलिस आगे आई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कराई। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि मृतका की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है, परंतु अभी तक नाम-पता स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वहीं, इस संबंध में बक्सर जीआरपी प्रभारी विजेंद्र कुमार ने कहा कि हमारी टीम मौके पर गई थी, लेकिन घटना आउटर सिग्नल से बाहर होने के कारण यह क्षेत्र स्थानीय पुलिस के अधिकार में आता है।

यह घटना न केवल पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

नरेंद्र मोदी की स्वर्गवासी माँ के विरुद्ध अभद्र भाषा के प्रयोग पर ताली बजाकर राहुल गाँधी ने दिया नीच हरकत का परिचय

राहुल गाँधी को नहीं पच रहा गरीब माँ के बेटे का प्रधानमंत्री बनना : दुर्गा राज

केटी न्युज/रोहतास

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री दुर्गा राज ने वोटर अधिकार यात्रा पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ तूँ - तड़ाक की भाषा का प्रयोग किये जाने की कड़ी निंदा की है. उन्होंने आरा परिषदन में आयोजित एक प्रेस कांन्फ्रेंस में कहा कि राहुल गाँधी की यह भाषा न केवल राजनैतिक गरिमा पर हमला है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परम्पराओं का अपमान भी है.वोटर अधिकार यात्रा के नाम पर राहुल गाँधी केवल अराजकता, अपमान और असहिष्णुता का प्रचार कर रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गवासी माता के विरुद्ध किये जा

रहे अभद्र भाषा पर राहुल गाँधी मंच से ताली बजाकर एक माँ का अपमान करने से बाज नहीं आ रहे हैं, जिस माँ ने गरीबी झेल कर भी अपने बेटे नरेंद्र मोदी को माँ भारती की सेवा करने योग्य बनाया.एक गरीब माँ के बेटे का प्रधानमंत्री बनना राहुल गाँधी को नहीं पच रहा है. मयार्दा और शालीनता की सभी सीमाएँ राहुल गाँधी ने तोड़ कर रख दिया है.भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री दुर्गा राज ने कहा कि राहुल गाँधी पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मौत का सौदागर, नाली का कीड़ा, कॉकरोच, नीच, वायरस, भस्मासुर, रावण और दुर्योधन जैसे शब्दों का प्रयोग करके देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के करोड़ों करोड़ कार्यकताओं का अपमान कर चुके हैं. सत्ता पाने की बेचैनी और झूँझलाहट ने राहुल गाँधी के आक्रोश को गाली गलौज पर उतार दिया है.इन्हे पता है कि ये जनता द्वारा चुन कर अब आने वाले नहीं हैं.श्री दुर्गा राज ने कहा कि विपक्षी दलों की तूँ तड़ाक की यह संस्कृति कोई नहीं है. इससे पहले भी राहुल गाँधी ने कई बार संवैधानिक पदों का अपमान किया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े नेताओं ने 107 से अधिक बार देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लिए अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के कार्यकताओं ने जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है, वह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक दिन है. यह हमला केवल प्रधानमंत्री पर नहीं , बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की भावनाओं पर है.भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री दुर्गा राज ने कहा कि अब तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की राजनीति तुष्टीकरण से गाली -गलौज और अपमान तक पहुँच गई है. असल में यही महाठगबंधन और इंडी अलायंस का असली चरित्र है.यही उनकी राजनीतिक ट्रेंनिंग भी है.राजद का चरित्र हमेशा से समाज में नफरत फैलाने वाला रहा है और कांग्रेस आज भी उसी रास्ते पर आँख मूँद कर चल पड़ी है. कांग्रेस यह भूल रही है कि यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं. जहां परिवारवाद के नाम पर जनता की आवाज दबाई जाए. उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने अपनी आंखों से देखा है कि कैसे राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने आपातकाल में लोकतंत्र को रौंद दिया था. पत्रकारों को जेल में डाला , विपक्षी नेताओं को कैद कर दिया और जनता की आजादी छीन ली. इसलिए बिहार की जनता भली - भांति जानती है कि कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी है. उन्होंने कहा कि जिस तरह से इनकी मंशा है और राजद के एक सांसद भी ये जाहिर कर चुके हैं कि ये लोग भारत को बांग्लादेश बनाने की चाहत पाले हुए हैं।

भ्रष्टाचार : राधाकृष्ण उच्च विद्यालय में नामांकन के नाम पर छात्रों से हो रही अवैध वसूली

- विद्यालय के छात्र-छात्राओं में आक्रोश,परिजनों ने जताया विरोध

केटी न्युज/रोहतास

वर्ग दसवीं रजिस्ट्रेशन के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत का मामला प्रकाश में आया है । जानकारी हो कि बिहार स्कूल बोर्ड की ओर से तय की गई आधिकारिक प्रक्रिया में वर्ग नवम की नामांकन के लिए सामान्य वर्ग व अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 420 रु तो वही एससी और एसटी वर्ग के लिए 340 रु निर्धारित हैं। जबकि 10वीं की सत्रारंभ के लिए सामान्य वर्ग व अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 340 रु तथा एससी व एसटी वर्ग के लिए 260 रु निर्धारित हैं। बता दे कि रोहतास जिले के नासरीगंज प्रखंड अंतर्गत मंगरॉव गांव के राधा कृष्ण उच्च विद्यालय नवीं और दसवीं की छात्र-छात्राओं से नामांकन और सत्रारंभ के नाम अवैध वसूली की जा रही है। जमकर अवैध वसूली की बात सामने आ रही हैं। जिसमे छात्र-छात्राओं का माने तो किसी भी कैटेगरी से 9वीं नामांकन के नाम पर 450 रु तो वही 10वीं कक्षाओं के सत्रारंभ के लिए 400 रु का उगाही जमकर अवैध वसूली की गई हैं।

क्या कहते हैं मंगरांव क्षेत्र के परिजन

रोहतास के भाजपा छात्र जिला महासचिव सुमन कुमार सिंह का आरोप हैं, कि छात्र-छात्राओं के परिजनों द्वारा कई बार विद्यालय को आगाह की गई हैं। लेकिन परिणाम स्वरूप यह अवैध वसूली रुक नहीं रही है। लिहाजा गरीब तबके के लोग विद्यालय को रुपये देने पर मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मैंने खुद विद्यालय जाकर सभी छात्र छात्राओं से बात किया तो और इस अवैध वसूली की जानकारी तो सभी छात्र छात्राओं ने एक सूर में बताया कि हमलोगों बसे किसी दूसरे विद्यालय से अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। इससे अधिकारी भी अनजान नहीं है। कहा कि हमने खुद जिला शिक्षा पदाधिकारी को इस बात का खबर दिया है। परिजनों द्वारा पूछे जाने पर बताया कि पैसे की तंगी की वजह से हम लोग अपने बच्चे बच्चियों को सरकारी विद्यालय में पढ़ाते हैं और उसमें भी ज्यादा पैसा लेकर लोग शोषण करते हैं, राधा कृष्ण उच्च विद्यालय मंगराव मैं पढ़ने वाली अंजली और शिल्पा की मां बताते हैं कि जहां तीन सौ पैसे देने के वहां 400 से 450 रुपए ले लिया गया हैं। वही नवीं की छात्रा रागिनी कुमारी का भाई राज रोशन नें भी बताया की रजिस्ट्रेशन और नामांकन के नाम पर मेरी बहन से ज्यादा पैसा लिया गया है। इस विद्यालय में पढ़ रहे रवि कुमार के भाई ने भी यही बात दुहराया। शारदा कुमारी की मां ने दबे आवाज में बताया की मेरी भी बच्ची से चार से साढ़े चार सौ लिया गया है।

क्या कहते हैं बीईओ नासरीगंज

जब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविंद कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कल कुछ परिजन लोगों द्वारा नामांकन और पंजीयन में हो रहे अनियमिता के बारे में बताया गया है। फिलहाल हम अभी दूसरी जगह हैं मामला संज्ञान में है निरीक्षण के लिए शनिवार या निश्चित ही सोमवार को कर ली जाएगी।

वोटर अधिकार यात्रा को लेकर कांग्रेस ने काराकाट में किया जनसंपर्क अभियान

केटी न्युज/रोहतास

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वैद्यनाथ चौबे,युवा कांग्रेस नेता मो.अय्यूब खान,कांग्रेस के पूर्व जिला उपाध्यक्ष मुन्ना भारती, काराकाट प्रखंड अध्यक्ष गोपाल तिवारी के नेतृत्व में बिक्रमगंज, काराकाट एवं संझौली में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। वही वोट अधिकार यात्रा के लिए जनसंपर्क अभियान में कांग्रेस के कार्यकर्ता ने आज रोहतास जिले के काराकाट अंतर्गत गोडारी में जनसंपर्क किया। जिसका नेतृत्वकर्ता काराकाट प्रखंड अध्यक्ष गोपाल तिवारी ने कहा कि आगामी 30 अगस्त को आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम एवं 01 सितंबर को पटना के गाँधी मैदान में समापन होने वाले पदयात्रा में बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य,वीआईपी के अध्यक्ष मुकेश सहनी सहित इण्डिया गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेतागण भी उपस्थित रहेंगे।काराकाट विधानसभा से हजारों लोग आरा एवं पटना के इस पदयात्रा में शामिल होंगे। जनसंपर्क अभियान के दौरान जनता में सरकार एवं बीजेपी के खिलाफ जबरदस्त उदासीनता देखी गई।राहुल गाँधी की सभा में अप्रत्याशित भीड़ को देखकर बीजेपी और जदयू की नींद उड़ी हुई है। मौके पर दर्जनों कार्यकताओं के साथ जनसंपर्क अभियान को सफल बनाया।

सहकारिता के तत्वाधान में किसान सहकारी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्युज/रोहतास

शुक्रवार को सहकारिता विभाग बिहार सरकार के तत्वाधान में किसान सहकारी चौपाल का हुआ आयोजन। बिहार सरकार के तत्वाधान में किसान सहकारी चौपाल का आयोजन बिक्रमगंज प्रखंड के घुसिया खुर्द पंचायत में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि साख समिति के अध्यक्ष उज्जवल कुमार नेकी अपने संबोधन में अपने किसानों से आग्रह किया। जो भी सरकार द्वारा संसाधन उपलब्ध हैं आप सब उसका उपयोग भरपूर करें। चाहे जुताई केलिए ट्रैक्टर खाद बीज

दवा इत्यादि। कला संचार मिशन द्वारा गीत संगीत के माध्यम से किसानों को किसान से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर बिहार सरकार के 20 सूत्री सदस्य रोहतास नवीन चंद्र शाह, प्रबंधक सुधीर कुमार, किसान लाल बिहारी चौधरी, भोला बाबू , संजय चौधरी, मदन चौधरी, पारस चौधरी, पीतांबर प्रसाद गुप्ता, आलोक कुमार, भगवान पासवान, हरक पासवान, सोनू चौधरी, मुन्ना शाह सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

पत्रकार से दुर्व्यवहार मामले में कोर्ट ने इंस्पेक्टर को पांच घंटे खड़ा करा किया दंडित

सासाराम। जिला मुख्यालय के सासाराम अंतर्गत विगत वर्ष 2012 में पत्रकार अखिलेश कुमार के साथ हुए दुर्व्यवहार मामले में न्यायालय ने सख़्त रुख अपनाया है। मामला उस समय का है जब अजय कुमार, सासाराम में एसआई के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान में वे पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, राजगीर में इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थापित हैं। जिन्हें रविवार को सासाराम व्यवहार न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई करते हुए अजय कुमार को करीब 5 घंटे तक कोर्ट में खड़ा रखा। इसके बाद पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच की गई। अंततः न्यायालय ने आदेश दिया कि अजय कुमार पत्रकार अखिलेश कुमार से लिखित माफीनामा दें और खुले तौर पर माफी मांगे। साथ ही कोर्ट ने उन्हें कड़ी डांट-फटकार भी लगाई। इस फैसले के बाद पत्रकारों में न्याय व्यवस्था के प्रति संतोष और विश्वास देखने को मिला है।

आरा के कलेक्ट्रीयट तलाब पर दो चबूतरे और जेपी स्मारक जीर्णोद्धार का किया शिलान्यास!

- आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने विकास कार्यो को दिया गति

केटी न्युज/आरा

आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने विकास कार्यों को गति देते हुए सांसद निधि से आरा के हृदय स्थली समाहरणालय तलाब पर दो चबूतरे और जेपी स्मारक व मुक्ताकाश मंच का जिर्णोद्धार का शिलान्यास किया। आरा के हृदय स्थली समाहरणालय तलाब पर दो चबूतरे और जेपी स्मारक व मुक्ताकाश मंच का स्थिति काफी जर्जर हो गया है।जिसको लेकर लगातार सांस्कृतिककर्मी, रंगकर्मी, नागरिक मंच के लोग व सामाजिक कार्यकताओं ने जीर्णोद्धार का मांग कर रहे थे। इस मौके पर सांसद सुदामा प्रसाद ने पत्रकारों के

विकास के सवाल पर बोलते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है और आरा में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है फिर भी विकास की रौशनी जनता के बीच नही पहुंची।उन्होंने कहा कि विकास के लिए सरकार के करोड़ों का बजट कहाँ खर्च हो रहा है यह किसी को पता नही है। हमारे पास पूरे जिले से सड़क ,गली नली,सहित विभिन्न तरह के विकास कार्य के लिए आम जनता करोड़ों का आवेदन आया है।जिसे फण्ड से करना सम्भव नहीं है। हमने दिशा के दो बैठकों में आम जनता से प्राप्त लगभग दो सौ योजना दिया लेकिन किसी का पर अभी तक करवाई नहीं दिखा।उन्होंने आरा के बिगड़ते स्थिति और फैलते गंदगी के सवाल पर कहा कि मैं सम्भवतः पहला सासंद हूँ जो दो बार निगम के बोर्ड बैठक में शामिल हुआ और शहर के विभिन्न मुद्दों पर बात रखी और आश्वस्त किया गया कि प्रथमिकता के आधार पर करवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए लगातार प्रयासरत और संघरर्त रहूंगा।हमने अभी जिले कब विकास के लिए लभगभ 8 करोड़ के योजनाओं का अनुशंसा किया है।जिसमें आम लोगों के मांग पर 60 हाईमास्ट लाइट,कई विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर ओपेन जिम,स्कूलों में लाइब्रेरी सहित हजारों नागरिकों के चिरप्रतीक्षित मांग बस स्टैंड के नजदीक श्रीटोला के पास पुल निर्माण के लिए अनुसंसा किया है। इस मौके पर भाकपा-माले नगर सचिव सुधीर कुमार, राज्य कमेटी कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी,जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम,जिला कमेटी सदस्य अमीत कुमार बंटी,जिला कमेटी सदस्य चंदन कुमार, अजय कुमार गांधी, रंगकर्मी अशोक मानव,जेपी स्मारक समिति के महासचिव सुशील तिवारी,साहेब लाल यादव,लड्डू भोपाली, चेतन्य, सन्नी कुमार सिंह, राजद नेता अरुण यादव, भुनेश्वर यादव सहित कई रंगकर्मी , सामाजिक कार्यकर्ता नेता शामिल थे।

एक नजर

मरम्मति कार्य को लेकर 31अगस्त को बाधित होगी विद्युत आपूर्ति

बिक्रमगंज। नारायणपुर ग्रिड में 33 केवी मेन बसबार मरम्मति का कार्य करने के कारण 31 अगस्त रविवार को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक कार्यपालक अभियंता बिक्रमगंज उपेंद्र सिंह ने बताया की ग्रिड से निकलने वाले बिक्रमगंज, सूर्यपूरा, नटवार, संझौली, दावथ, नोनहर, कोआथ, काराकाट,सकला व तरारी की विद्युत आपूर्ति 11बजे से 14 बजे तक पूर्ण रूप से बन्द रहेगी। उक्त अवधि मे ग्रिड द्वारा मरम्मती का कार्य किया जायेगा। सहायक विद्युत अभियंता, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमण्डल बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा उपभोक्ताओ से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे।

पुलिस ने 133.75 लीटर शराब एवं मोबाइल साथ पांच गिरफ्तार

बिक्रमगंज। पुलिस ने दो अलग- अलग जगहों पर छापेमारी कर 133.75 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया है। सहायक पुलिस अधीक्षक सह बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। छापेमारी में पुलिस ने बिक्रमगंज चीनी मिल के पास वार्ड नं 16 से गोलु कुमार उर्फ रविश कुमार के घर से 31.75 लीटर विदेसी शराब बरामद किया है। एएसपी संकेत कुमार ने बताया कि गोलू मूल रुप से नटवार थाना क्षेत्र के खरवत गांव का निवासी है। पूछताछ के दौरान गोलू ने अन्य संलिप्त धंधेबाजों की जानकारी दी । उसी की निशानदेही पर पुलिस ने एक अन्य धंधेबाज अंकित कुमार की गिरफ्तारी वहीं से किया। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने वार्ड नं 16 पंजाबी मुहल्ला निवासी अनुज कुमार सिंह के घर छापेमारी कर 102 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद किया। अनुज ने पुलिस को बिक्की कुमार,बिट्टू कुमार तथा पप्पु कुमार का शराब होने की बात बताया। कहा कि 300 रुपए प्रत्येक पेटी की दर से शराब छुपाकर रखने तथा बेचने पर 10 प्रतिशत कमीशन देने की बात बताया। टीम ने बिट्टू कुमार एवं पप्पु कुमार को छापेमारी कर गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस ने 5 मोबाइल भी जब्त किया है। गिरफ्तार सभी लोग वार्ड 16 के निवासी हैं। एएसपी ने बताया कि इनलोगों द्वारा शराब का नेटवर्क चलाने की बात प्रकाश में आई है,जिसके विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है।

अनुमंडल क्षेत्र में श्रद्धापूर्वक मनाया जायेगा अनंत चतुर्दशी व्रत

बिक्रमगंज। सावन-भादो की धार्मिक श्रृंखला अब अपने चरम की ओर बढ़ रही है। आगामी 6 सितंबर को बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र का कोना-कोना आस्था से सराबोर होगा। जब हर घर-आंगन में अनंत चतुर्दशी का व्रत श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इस दिन भक्त अपने दाहिने हाथ में 14 गांठ वाला सूत्र बांधकर जीवन के दुखों को दूर करने और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। बिक्रमगंज नगर के वार्ड संख्या 21धारुपुर निवासी आचार्य हरिशरण दुबे ने कहा कि अनंत चतुर्दशी केवल पूजा का पर्व नहीं,बल्कि जीवन की उलझनों को सुलझाने का संकल्प है। जो 14 गांठ वाला अनंत सूत्र इस बात का प्रतीक है कि जब मनुष्य भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की शरण में जाता है,तो हर विपत्ति की गांठ खुल जाती है और जीवन में सुख-शांति का संचार होता है। वहीं नगर के वरिष्ठ पुरोहित पंडित लालबाबू दुबे ने बताया कि अनंत चतुर्दशी का व्रत समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता का संदेश देता है। इस दिन श्रद्धालु नदी,सरोवर अथवा मंदिर में पूजा-अर्चना कर अनंत सूत्र धारण करते हैं। ऐसा करने से व्यक्ति के घर-परिवार पर आने वाले संकट दूर होते हैं और समृद्धि का द्वार खुलता है। यह पर्व केवल आस्था का नहीं,बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। इस मौके पर बिक्रमगंज नगर के मंदिरों में विशेष अनुष्ठान की तैयारियां जोरों पर हैं। बाजारों में पूजन सामग्री की खरीदारी तेज हो गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अनंत चतुर्दशी का व्रत करने वाले का जीवन विष्णु भगवान की कृपा से कष्टमुक्त होता है और उसके परिवार में कभी दरिद्रता का प्रवेश नहीं होता। इस बार अनंत चतुर्दशी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है । मंदिरों से लेकर गांव-गांव के चौक-चौराहों तक अब केवल एक ही चर्चा है कि 6 सितंबर को अनंत भगवान की कृपा से हर घर में खुशहाली आएगी।

नदी में डूबे बुजुर्ग का शो दूसरे दिन बरामद

आरा। जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम गांव में नदी में डूबे बुजुर्ग का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उनका शव शुक्रवार की सुबह नदी किनारे से बरामद हुआ। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम गांव निवासी स्व.मोती लाल राम के 72 वर्षीय पुत्र शिव नारायण राम है एवं वह किसान थे। इधर मृतक के बेटे हरेराम ने बताया कि वह गुरुवार की सुबह शौच करने के लिए घर से निकले थे। उसी दौरान वह नदी में गिरकर डूब गए। कुछ घंटे तक घर वापस नहीं लौटे तो परिजन खोजबीन करने निकले और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी।जिसके बाद परिजन द्वारा गुरुवार को उनकी काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। शुक्रवार की सुबह जब गांव का एक व्यक्ति नदी की तरफ गया तो नदी किनारे उनके शव को देखा। इसके बाद उसने इसकी सूचना उनके परिजन को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी राज केसरी देवी व तीन पुत्री माया कुमारी,लीला कुमारी, ममता कुमारी एवं में पुत्र हरेराम है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी राज केसरी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा में गरमा-गरमी: राहुल के बयान पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने, पुतला दहन के दौरान हाथापाई

आरा। राहुल के वोटर अधिकार यात्रा के दौरान ढट मोदी को गाली देने का मामला अब तुल पकड़ लिया है। इसी कड़ी में आरा में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आरस कांग्रेस कार्यालय के पास पुतला दहन के दौरान को कांग्रेसियों ने जमकर विरोध किया। इस दौरान दोनों तरफ से जमकर नारेबाजी हुई। पुतला दहन के बाद दोनों पार्टियों के कार्यकताओं बीच जमकर नोकझोक हुई,आरा विधानसभा के भाजपा विधायक अमरेंद्र सिंह,जिलाध्यक्ष दुगार्राज समेत भाजपा के कई कार्यकर्ता नेता उपस्थिति थे। जबकि कांग्रेस के तरफ से जिलाध्यक्ष अशोक राम,अभिषेक द्विवेदी,अमित द्विवेदी समेत कई नेता मौजूद थे। इस दौरान दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एवं नेताओं के बीच हाथपाई भी हुई है। भाजपा ने राहुल गांधी एवं तेजस्वी एक पुतला फूंका,जबकि को कांग्रेस बेटा कागज पर स्लोगन लिखकर कागज को जलाया। वही मौके पर पहुंची पुलिस ने बल का प्रयोगकार दोनों पार्टियों के कार्यकताओं को पीछे हटाने का काम किया ।

तीन दिवसीय जागरण और 48 घंटे के अखंड कीर्तन कार्यक्रम के दौरान यह विवाद शुरू हुआ

नवादा में गणेश पूजा के दौरान बवाल! पथराव, तोड़फोड़ और तनाव, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

एजेंसी। नवादा

बिहार के नवादा जिले के रोह प्रखंड के नीचे बाजार में गुरुवार रात भगवान गणेश और भगवान नंदी की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई. कार्यक्रम स्थल पर जमकर पथराव हुआ, बैनर फाड़े गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया. स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे स्थिति और बिगड़ गई. अर्चना क्लब द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जागरण और 48 घंटे के अखंड कीर्तन कार्यक्रम के दौरान यह विवाद शुरू हुआ. क्लब के अध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि गुरुवार रात कुछ युवकों ने कार्यक्रम स्थल पर हरे रंग का झंडा लहराया. आयोजकों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद माहौल गरमाने लगा और देखते ही देखते दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया. भगवान के बैनर भी फाड़े गए. आयोजकों ने कार्यक्रम को अखंडित रखने के लिए जवाबी कार्रवाई न करते हुए घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड किया.

स्थानीय लोगों और पूजा समिति ने रोह थाना प्रभारी अविनाश कुमार पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया. आयोजकों ने बताया कि सुरक्षा के लिए पहले ही लिखित आवेदन दिया गया था, लेकिन कोई पुलिस बल मौके पर नहीं तैनात किया गया. घटना के समय भी थाना प्रभारी ने फोर्स और गाड़ी की कमी का हवाला देकर केवल 112 पेट्रोलिंग भेजने की बात कही. बावजूद इसके एक घंटे तक कोई पुलिस मौके पर नहीं पहुंची. अधीक्षक (एसपी) अभिनव धीमान के निर्देश पर 20 किलोमीटर दूर स्थित नगर थाना से बल भेजा गया, जिसने स्थिति को नियंत्रित किया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि रोह थाना महज एक किलोमीटर दूर होने के बावजूद समय पर पहुंचने में नाकाम रहा. एएसआई मनोज कुमार ने बताया की, उन्होंने दावा किया कि इलाके में सब कुछ सामान्य है. जब उनसे सड़कों पर बिखरे पथराव के मलबे के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जिम्मेदारी ग्रामीणों पर डाल दी. वहीं, एसपी के आदेश पर नवादा से बल भेजे जाने की बात पर भी उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया. मोहल्ले के दुकानदार मेराज आलम ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि अचानक पथराव शुरू हो गया, जिससे लोग डर के मारे दुकानों के शटर गिराने लगे. उन्होंने पुलिस पर देरी का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. हालांकि पुलिस ने स्थिति नियंत्रित कर ली है, लेकिन क्षेत्र में तनाव बरकरार है. सड़कों पर अभी भी पथराव का मलबा बिखरा हुआ है और पुलिस की मौजूदगी बेहद कम है. इसके बावजूद अर्चना क्लब का भजन-कीर्तन कार्यक्रम जारी है. क्लब 1991 से लगातार पूजा आयोजित करता रहा है और पहली बार ऐसी घटना का सामना कर रहा है।

किशनगंज में केंद्रीय एजेंसी की बड़ी रेड

दफ्तरी ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी से हड़कंप

एजेंसी। शिवहर

आयकर विभाग ने उद्योगपति जयकरण दफ्तरी से जुड़े 18 ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। इस कार्रवाई में बिहार-झारखंड की संयुक्त टीम लगी हुई थी। कार्रवाई के दौरान जिले भर में कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया। टीम में झारखंड और पटना से आए 200 से अधिक अधिकारी शामिल थे, जो करीब 100 वाहनों से पहुंचे। किशनगंज के नेमचंद रोड, भगत टोली, धर्मशाला रोड और पश्चिमपाली सहित कई हिस्सों में जांच की गई। वहीं, बंगाल के सिलीगुड़ी में भी छापेमारी जारी रही।आयकर विभाग ने जयकरण दफ्तरी के मेगा मार्ट, दफ्तरी मॉल, दफ्तरी होटल और दफ्तरी फर्नीचर दुकान के दस्तावेजों की जांच की। दफ्तरी के कई बड़े चाय बागान, मॉल, कपड़ा, फर्नीचर, ठेकेदारी, होटल और वाहन व्यवसाय भी इस छानबीन के दायरे में हैं। केंद्रीय एजेंसी की टीमें भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक कर्मियों के साथ उद्योगपति के आवास और कार्यालयों पर तैनात रही। अधिकारियों ने कथित अवैध वित्तीय लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान मीडिया द्वारा बनाए गए वीडियो को डिलीट करवा दिया गया।

सीएम नीतीश कुमार की कैबिनेट का महिलाओं के लिए बड़ा फैसला

कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश ने महिला रोजगार योजना को दी मंजूरी

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने 2005 में सत्ता संभालने के बाद से ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं और अब इसी दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।एक्स अकाउंट पर साझा किया बड़ा निर्णय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) पर महिला सशक्तिकरण को लेकर एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने लिखा कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल राज्य के विकास में योगदान दे रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए कैबिनेट की बैठक में ह्यमुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाह्न को मंजूरी दी गई है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के हर परिवार की एक महिला को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

योजना की प्रमुख बातें

- प्रत्येक परिवार की एक महिला को रोजगार शुरू करने के लिए 10 हजार रुपये प्रथम किस्त के रूप में दिए जाएंगे।
- आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जिसका संचालन ग्रामीण विकास विभाग करेगा। नगर विकास एवं आवास विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा।
- सितंबर 2025 से महिलाओं के बैंक खातों में सीधे राशि का हस्तांतरण शुरू होगा।
- रोजगार शुरू करने के छह माह बाद महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता दी जा सकेगी।
- महिलाओं के उत्पादों की बिक्री के लिए गांव से लेकर शहर तक हाट बाजार विकसित किए जाएंगे।

रोजगार और सशक्तिकरण को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस योजना से महिलाओं की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। साथ ही राज्य के भीतर ही बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे लोगों को मजबूरी में बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सीएम नीतीश ने खुद किया ऐलान

सीएम नीतीश ने खुद इस फैसले का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 'हमलोगों ने नवम्बर, 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिला सशक्तीकरण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल बिहार की प्रगति में अपना योगदान दे रही हैं बल्कि वे अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए हमलोगों ने महिलाओं के हित में अब एक महत्वपूर्ण एवं अभूतपूर्व निर्णय लिया है जिसके सकारात्मक दूरगामी परिणाम होंगे।'

काम पर लौटे बिहार के 2817 विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मी, राजस्व महा अभियान में आई तेजी

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महाझअभियान को गति मिलनी शुरू हो गई है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मियों से अपील के बाद हालात बदल गए हैं। 29 अगस्त की शाम तक 2817 विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मी काम पर लौट आए हैं। काम पर लौटे सभी संविदा कर्मियों ने अपने अपने सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के पास योगदान दे दिया है। शिविरों में रैयतों की भारी भागीदारी देखने को मिल रही है। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, अब तक करीब दो लाख आवेदन रैयतों द्वारा शिविरों में जमा कराए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक आवेदन अररिया में 21849, औरंगाबाद में 16216, पटना में 10947, गया में 10082 और खगड़िया में 9251 आए हैं। इनमें ऑनलाइन जमाबंदी में त्रुटि सुधार, ऑफलाइन जमाबंदी को ऑनलाइन कराने, बंटवारा नामांतरण और उत्तराधिकार नामांतरण से संबंधित हैं। अधिकारी मानते हैं कि रैयतों का यह उत्साह इस महाझअभियान की सफलता का संकेत है। सभी रैयत इसमें बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार कुल 3 करोड़ 60 लाख जमाबंदियों में से अबतक 55 फीसदी जमाबंदी पंजी की प्रति रैयतों के बीच वितरित कर दी गई है। इसमें एक नंबर पर सीतामढ़ी है जहां 89.99 फीसदी जमाबंदी पंजी की प्रति का वितरण कर दिया गया है। दूसरे नंबर पर रहे वैशाली में 86.19, तीसरे नंबर पर जहानाबाद में 83.38, चौथे नंबर पर गोपालगंज में 81.16, पांचवें नंबर पर शेखपुरा है जहां 80.73 फीसदी जमाबंदी पंजी की प्रति का वितरण कर दिया गया है।

पटना सिविल कोर्ट में बम की सूचना से हड़कंप, पुलिस अलर्ट

एजेंसी। पटना

पटना व्यवहार न्यायालय को शुक्रवार को गंभीर बम धमकी मिली, जिसके बाद पूरे न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी ईमेल के माध्यम से न्यायालय के जज को भेजी गई। सूचना मिलने के तुरंत बाद पटना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। वहीं, कोर्ट परिसर को पूरी तरह खाली करवा दिया गया और सभी सुनवाईयां नई तारीख पर स्थगित कर दी गईं। बम स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया और न्यायालय परिसर में विस्तार से तलाशी अभियान चला। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला। पटना पुलिस का कहना है कि धमकी किस ओर से और किसने भेजी, इसकी जांच की जा रही है। साइबर सेल और अन्य जांच टीमों की मदद भी ली जा रही है। पुलिस ने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। धमकी ईमेल में कहा गया है कि बिहार से तमिलनाडु जाने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या बढ़ने से तमिलनाडु की स्थानीय जनसंख्या संरचना प्रभावित हो रही है। धमकी में बताया गया कि चार आरडीएक्स आईईडी न्यायाधीश के कक्ष और परिसर में स्थापित किए गए हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी को गाली देने वाला को बिहार पुलिस ने दरभंगा से पकड़ा

एजेंसी। पटना

मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में दरभंगा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मो. रिजवी उर्फ राजा नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पेशे से वाहन चालक है और पिकअप वैन चलाने के साथ ही पंचर की दुकान भी चलाता है।जानकारी के मुताबिक, यह मामला 27 अगस्त का है, जब राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा दरभंगा के बिठौली इलाके से गुजर रही थी। इसी दौरान कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री और उनकी माता के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जो बाद में सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैल गया। घटना ने राजनीतिक हलकों में हंगामा मचा दिया था। इस मामले में भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना ने सिमरी थाना में एफआईआर (संख्या 243/25) दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में कांग्रेस नेता मो. नौशाद को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इसी सिलसिले में पहली गिरफ्तारी करते हुए पुलिस ने मो. रिजवी उर्फ राजा को पकड़ा है। दरभंगा सदर के एसडीपीओ-2 सुरेंद्र कुमार सुमन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रिजवी को मीडिया के सामने भी लाया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई होगी।

बिहार को मिलेगी दो और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

पटना। बिहार में यह चुनावी साल है। ऐसे में केंद्र कि सरकार हो या राज्य की वर्तमान सरकार हर कोई अपने तरीकों से वोटरों को लुभाने में लगी हुई है। इसी कड़ी में अब जो जानकारी सामने आई है उसके मुतबिक बिहार से जल्द ही दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की जाएंगी। इनमें से एक पटना से उत्तर बिहार होकर अयोध्या तक चलेगी। दूसरी राजधानी को उत्तर बिहार होते हुए सीमांचल तक जोड़ेगी। जानकारी के मुताबिक, चुनावी साल में बिहार को जल्द ही दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधा मिलने वाली है। इनमें से एक अयोध्या रूट पर चलाई जाएगी। इससे राजधानी पटना के साथ ही उत्तर बिहार के विभिन्न शहरों से श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या से आना-जाना आसान और सुगम हो जाएगा। दोनों नई प्रस्तावित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पटना से चलाए जाने की योजना है, जो मुजफ्फरपुर होकर संचालित होंगी।

बिहार के कई जिलों में गंगा उफान पर

मानसून के फिर एक्टिव होते ही मचा सकती है तबाही

एजेंसी। पटना

बिहार में गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर से तेजी से बढ़ रहा है। जिससे पटना, बेगूसराय, मुंगेर और बक्सर समेत कई जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार, आज 12 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां 40 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। पटना के दीघा घाट, गांधी घाट और हाथीदह घाट पर गंगा खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर बह रही है, जबकि मुंगेर के दियारा इलाके में कटाव से सैकड़ों घर डूब चुके हैं। आरा के जवईनिया गांव में एक दो मंजिला स्कूल नदी में समा गया है और बक्सर में कर्मनाशा नदी का पानी स्टेट हाईवे पर बह रहा है। यह स्थिति नेपाल से आने वाले अतिरिक्त जल और हाल की बारिश का नतीजा है। जिससे 11-12 जिलों के करीब 12-16 लाख लोग प्रभावित हो चुके हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि 1 सितंबर से मानसून फिर से सक्रिय हो जाएगा, जिससे पूरे बिहार में अच्छी बारिश का दौर एक बार और लौटेगा। कल भी कई जिलों में तेज वर्षा की संभावना है, बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर एरिया बनने से कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। जबकि 30 अगस्त को गया, नवादा और नालंदा में यलो अलर्ट है और 1 सितंबर को गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और सीवान में एक-दो जगहों पर भारी वर्षा के आसार हैं। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है लेकिन निचले इलाकों में जलभराव और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। इधर मुंगेर में बुधवार रात कुतलुपुर पंचायत के पड़ोड़ा टोला में कटाव से तीन पक्के मकान गंगा में बह गए, जबकि आरा और बक्सर के गांवों में पानी घुसने से सड़कें बंद हो गई हैं। जल संसाधन विभाग ने अलर्ट जारी कर राहत कार्य तेज कर दिए हैं और एनडीआरएफ की टीमें तैनात हैं।

सुभाषितम्

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है। -एलेअनोर रूजवेल्ट

अदाणी-अंबानी और मोदी ट्रंप के वर्चस्व में फंसा भारत

भारत की राजनीति और कॉर्पोरेट जगत का रिश्ता हमेशा से चर्चा का विषय रहा है। उद्योगपतियों और सत्ता के बीच के समीकरणों ने कई बार सरकार की नीतियों को प्रभावित किया है। मौजूदा दौर में यह रिश्ता केवल व्यापारिक एवं राजनीतिक समीकरणों तक सीमित नहीं रहा। बल्कि सीधी टकराहट की शक्ल लेता हुआ दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा वंतारा जू मामले में एसआईटी का गठन और उसमें वित्तीय व कानूनी अनियमितताओं की जांच का जो आदेश दिया है उसके बाद यह टकराव सतह पर आ गया है। अनिल अंबानी के घर और कार्यालयों में ईडी और सीबीआई के छापे वर्चस्व की लड़ाई के रूप में देखे जा रहे है। मुकेश अंबानी का नाम भारत में सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट घराने के रूप में लिया जाता है। यह भी कहा जाता है, 2012 में मुकेश अंबानी के कारण ही भारत के राजनीति की दिशा बदली। प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी का नाम सामने आया। उस समय कॉरपोरेट जगत और अमेरिका ने वैश्विक व्यापार संधि को लेकर जो अवरोध भारत में बने थे। उसको ठीक करने के लिए अमेरिका की सरपरस्ती और रिलायंस की ताकत के बल पर 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। रिलायंस समूह दूरसंचार से लेकर पेट्रोलियम और रिटेल तक हर क्षेत्र में फेला हुआ है। जब अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा थे उसे समय मुकेश अंबानी का व्यापार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तेजी के साथ फैला था। मुकेश अंबानी और रिलायंस समूह की राजनीतिक प्रशासनिक एवं न्यायपालिका से नजदीकियां हमेशा सुर्खियों में रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार रिलायंस के मंच पर पहुंचे। जियो लॉन्च से लेकर अस्पताल उद्घाटन के कार्यक्रम में मोदी पहुंचे। अब तस्वीर तेजी के साथ बदल रही है। अदालत के हस्तक्षेप और जांच एजेंसियों की सक्रियता ने संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के संबंध इन दिनों ठीक नहीं चल रहे हैं। कॉर्पोरेट ताकत पर सियासी नियंत्रण का दौर शुरू हो गया है। इसके पीछे जो मुख्य कारण बताया जा रहा है उसमें ट्रंप के नजदीकी सलाहकार के रूप में मुकेश अंबानी ने अपनी भूमिका तय कर ली है वहीं गौतम अडानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफी नजदीक हैं। टैरिफ बार को लेकर ट्रंप और मोदी जी के बीच में जो तनातनी चल रही थी। उसमें मोदी जी को शायद लगता था, मुकेश अंबानी उनकी मदद करेंगे। लेकिन मुकेश तटस्थ रहे, यह तटस्थता गौतम अडानी को लेकर थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जिस तरह से गौतम अडानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर तरह का समर्थन दिया है। उसके बाद से ही रिलायंस समूह की दूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दिखने लगी थी। अडानी समूह, रिलायंस समूह से आगे निकलने की दौड़ में आ गया था। दरअसल, यह टकराव महज व्यापारिक, कानूनी या प्रशासनिक नहीं है। इसके पीछे राजनीति की भी बड़ी मजबूरियां हैं। विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है, सत्ता और कॉर्पोरेट का गठजोड़ भारत के लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। ऐसे समय यदि सत्ता ही कॉर्पोरेट को कठघरे में खड़ा करने लगेगी। इससे यह संदेश जाता है, कि सरकार अब कॉरपोरेट से अपनी दूरी बनाकर पल्ला झाड़ना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस संघर्ष को नया आयाम मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान सस्ते तेल से रिलायंस को हुए मुनाफे पर वैश्विक स्तर पर अमेरिका ने चुप्पी साध रखी है। वही अडानी सहित भारत की अन्य कंपनियों पर अमेरिका ने टैरिफ और प्रतिबंध लगाए हैं। यूरोप की अन्य एजेंसियां भी तेल के कारोबार और मुनाफे पर नजर गड़ाए हुए हैं। भारत सरकार पर दबाव है, वह खुद को वैश्विक मंच पर पारदर्शी रखे। मुकेश अंबानी की ट्रंप के साथ विगत महीनो में नजदीकियां काफी बढ़ गई है। ट्रंप भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी पर शिकंजा कस रहे हैं। टैरिफ के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है। पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है। जीविका जीवन की अनिवार्यता है लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

डोनाल्ड ट्रंप की नस्लवादी राजनीति में वे गोरे वर्चस्ववाद

- कल्पना पांडे

कपड़े बेचने वाली अमेरिकन ईगल नामक आर्थिक घाटे में चल रही कंपनी ने 23 जुलाई 2025 को गोरी त्वचा, सुनहरे बाल और नीली आँखों वाली अभिनेत्री सिडनी स्वीनी को बतौर मॉडेल लेते हुए एक विज्ञापन जारी किया। इस विज्ञापन में सिडनी स्वीनी हैज ग्रेट जींस नामक कैचलाइन का उपयोग किया गया। अंग्रेजी के जीन या जनुक और जींस पैंट्स जैसे समान ध्वनि वाले शब्दों पर खेल किया गया। इस शब्द खेल का उपयोग कपड़ों और आनुवंशिक विशेषताओं दोनों के संदर्भ में किया गया। विज्ञापन में स्वीनी कहती हैं– जनुक माता-पिता से संतानों को जाते हैं, जिससे बालों का रंग, व्यक्तित्व, और यहाँ तक कि आँखों का रंग भी तय होता है। कैमरा उनकी डेनिम जींस और जैकेट से चेहरे की ओर और नीली आँखों की ओर मुड़ता है। उसी समय वह कहती हैं–मेरी जींस नीली हैं। अर्थात, उनकी आँखें नीली हैं यह उनके जनुकों के कारण है। इस प्रकार गुड जींस (अच्छी जींस/जनुक) इस शब्द खेल को कपड़ों और आनुवंशिक विशेषताओं दोनों संदर्भों में उपयोग किया गया। प्रश्न यह है–कपड़ों के विज्ञापन में जनुकों का संदर्भ क्यों? और वह भी श्रेष्ठ मानी जाने वाली नीली आँखों से? जाहिर है कि यह विज्ञापन सौंदर्य के नाम पर शुद्ध रक्त और जनुक

श्रेष्ठता की नाजी कल्पनाओं को हवा दे रहा है। यह विज्ञापन अभियान टिकटॉक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब पर धीरे-धीरे हर जगह दिखने लगा। नेटिजन्स का ध्यान इस विज्ञापन ने आकर्षित किया। आलोचना शुरू हो गई। माता-पिता से अगली पीढ़ी को जनुक जाते हैं, लेकिन जींस के विज्ञापन में इसका उल्लेख करने की आवश्यकता क्या? मेरी जींस (जनुक) नीली है, ऐसा कहते हुए कैमरा केवल आँखों पर केंद्रित करने का कारण क्या, कपड़ों पर नहीं? ऐसे प्रश्न उठने से यह विवाद सीधे यूजेनिक्स (वंशश्रेष्ठता) के आरोपों की ओर मुड़ गया। आगे, बड़े पैमाने पर नाजीवाद और नस्लवाद के विज्ञापन के आरोप भी लगाए गए। उन कुछ दिनों में अमेरिकन ईगल के शेयर कीमतें 24% बढ़ गईं। यह वृद्धि दर 2000 के बाद की सबसे बड़ी थी। यह विज्ञापन इतना चर्चा में आया कि, इसकी तुलना ब्रूक शील्ड्स की 1980 के दशक की कैल्विन क्लेन विज्ञापनों से की गई। दुकानदारों के पास सिडनी स्वीनी की जींस तेजी से बिक गईं। कुछ दिनों में ही विज्ञापन वापस ले लिया गया, लेकिन कंपनी का काम हो चुका। फिर भी मुद्दे पर चर्चा यहीं नहीं रुकी। अभिनेत्री सिडनी स्वीनी ने इस विज्ञापन के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कंपनी ने विवाद शांत करने का प्रयास किया, लेकिन तब ही अमेरिका के राष्ट्रपति ने इसके समर्थन में ट्वीट किया। उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने उसे पूर्ण अमेरिकी सौंदर्य कहा, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने (4 अगस्त, सोमवार) ट्विटर पर कहा, ह्लसिडनी स्वीनी, पंजीकृत रिपब्लिकन, यह उसकी सबसे लोकप्रिय विज्ञापन है ह्व उन्होंने यह सार्वजनिक रूप से घोषित किया। सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन करने वाली फॉक्स न्यूज ने भी इस विज्ञापन का समर्थन किया। मीडिया के गहन जांच के बाद यह भी स्पष्ट हुआ कि, वह वास्तव में रिपब्लिकन पार्टी की पंजीकृत मतदाता है। सिडनी स्वीनी ने 14 जून 2024 को फ्लोरिडा मतदाता पंजीकरण में रिपब्लिकन पार्टी के लिए पंजीकरण किया था, यह उसके आधिकारिक रिकॉर्ड से सिद्ध हुआ। प्रतिष्ठित मीडिया–द गार्डियन, बजफीड, न्यूजवीक आदि–ने इस बात पर आधारित रिपोर्ट प्रकाशित की। 2022 में सिडनी स्वीनी की माँ के जन्मदिन की पार्टी में उसके द्वारा आमंत्रित कुछ अतिथियों ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन छाप वाली टोपियाँ पहनी थीं, ये फोटो भी चर्चा में आए। इन सबके उजागर होने के बाद ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्वीनी के विज्ञापन अभियान की प्रशंसा की।

डोनाल्ड ट्रंप की नस्लवादी राजनीति में वे गोरे वर्चस्ववाद (व्हाइट सुप्रीमेसी), सांस्कृतिक भय और पहचान के संकट की राजनीतिक भाषा से वह गोरे मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। ह्लगोरे लोग अल्पसंख्यक बन गए हैं, उनका सांस्कृतिक वर्चस्व खतरे में है,ह्व ऐसा संकेत देते हुए ट्रंप लगातार ऐसी भाषा को प्राथमिकता देते हैं। ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन को उन्होंने कई बार अराजक या अपराधी कहा, जबकि चार्लोट्सविले में यूनाइट द राइट जैसे हिंसक प्रदर्शनों को कानून की चौखट में माना। डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को ह्लगोरों की सामाजिक स्थिति गिर रही हैह्व इस भावना से ग्रस्त लोगों की पार्टी के रूप में जाना जाता है। इसलिए सिडनी का रिपब्लिकन मतदाता होना, वंशश्रेष्ठता को मजबूत करने वाला विज्ञापन करना, और उसके पक्ष में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व राष्ट्रपति कार्यालय का खड़ा होना, यह राजनीतिक दृष्टि से उनके नीतियों के अनुरूप ही है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चुंग ने भी इस विज्ञापन पर चल रही आलोचना का मजाक उड़ाते हुए ह्लकैंसल कल्चर का अतिरेकह्व कहकर इस विवाद को खारिज किया। उनके अनुसार, कैंसल कल्चर ने सीमाएं पार कर दी हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा वाले लोगों ने इसे वोक एक्स्ट्रीमिज्म (जागरूकता का अतिरेक) कहा। कुछ छोटी गलती होने पर भी बड़े पैमाने पर नकारात्मक प्रतिक्रियाएँ आने वाली यह कैंसल कल्चर का उदाहरण है, ऐसा वे कहते हैं। प्रवक्ता के अनुसार, लोगों ने इसका अर्थ गलत निकाला और अनावश्यक बहिष्कार अभियान चलाया। दूसरी ओर, इस विज्ञापन अभियान पर अभी भी यूजेनिक्स के अवशेषों को खाद-पानी देने की तीव्र आलोचना की जा रही है। अमेरिकन ईगल ने सिडनी स्वीनी की मेरी जींस (जनुक/आँखों का रंग) नीली है यह घोषणा ह्लअच्छी जींसह्व विज्ञापन में दिखाई, ऐसा माना जाता है। ह्लगुड जींसह्व यह शब्द वर्तमान समय में किसी के सौंदर्य की प्रशंसा के लिए उपयोग किया जाता है। हालांकि, इस सरल वाक्य के पीछे इतिहास का एक जटिल, भयानक संदर्भ छिपा है– यूजेनिक्स। अर्थात, पसंदीदा गुणों के संरक्षण के लिए मानव प्रजनन पर नियंत्रण रखने की अवधारणा– चयनित प्रजनन। यह अवधारणा 19वीं शताब्दी में उभरी, और 20वीं शताब्दी में लोकप्रिय हुई। मानव जाति सुधार के नाम पर इस अवधारणा को उचित माना गया, लेकिन वास्तव में यह नस्लवाद, भेदभाव और जबरदस्ती से जुड़ी थी। स्टीवन चुंग जैसे राजनेता जब ऐसी भाषा का समर्थन करते हैं, तब वह केवल कैंसल कल्चर का विवाद नहीं होता–वह भेदभाव को फिर से बढ़ावा देने का खतरनाक प्रयत्न होता है। यूजेनिक्स विचार से समाज में पहले से मौजूद पूर्वाग्रहों को वैज्ञानिक आधार मिला, जिससे संस्थागत और सामाजिक स्तर पर उनके जड़ों को मजबूती मिली। यह अवधारणा कभी विज्ञान और राजनीति के स्तर पर आगे आई थी। हालांकि, नस्लश्रेष्ठता, जबरदस्ती की नसबंदी और नाजीवाद से जुड़ने के बाद, आज यह अवधारणा पूरी तरह नकार दी गई है। लेकिन, उसमें उचित, शुद्ध, और आकर्षक गुणों की भावना अभी भी मीडिया और विज्ञापनों में सूक्ष्म रूप में दिखती है। इसे मार्केटिंग गलती कहकर छोड़ देना भोलापन होगा। यह जानबूझकर की गई छेड़छाड़ है।

पशु प्रेमियों के देश में वृद्ध जनों की दुर्दशा

- निर्मल रानी

इन दिनों भारत में सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आवारा कुत्तों को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। वैसे तो आवारा कुत्तों के पक्ष में और इसके खिलाफ भारतीय समाज पहले से ही विभाजित है। परन्तु इस विषय को लेकर ताजातरीन बहस की शुरूआत उस समय हुई जब माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने गत 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर अर्थात दिल्ली, गाजियाबाद , नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की समस्या पर स्वतः संज्ञान लेते हुये दिल्ली नगर निगम व अन्य नगर निकायों को निर्देश दिया था कि वे 8 सप्ताह के भीतर सभी आवारा कुत्तों को पकड़ें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम्स या पाउंड्स में रखें। अपने इस आदेश में सर्वोच्च न्यायलय ने कुत्तों को वापस सड़कों पर छोड़ने पर भी रोक लगाई थी । चूँकि कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही थी खासकर बच्चों और बुजुर्गों पर कुत्तों के हमलों की शिकायतें बढ़ती जा रही थीं और इस संबंध में केवल दिल्ली में ही हजारों मामले दर्ज हो चुके थे और रेबीज से होने वाली मौतें में भी वृद्धि होती जा रही थी इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायलय द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुये यह आदेश दिए गये थे। अपने आदेश में न्यायलय ने कहा था आर्टिकल 21 के तहत जीवन का अधिकार व नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इसी के साथ अदालत ने यह निर्देश भी दिया था कि आवारा कुत्तों के लिये शेल्टर होम्स बनाए जाएँ व कुत्तों को पकड़ने के लिए संसाधन भी जुटाये जायें। यहाँ तक कि इस अदालती निर्देश में बाधा डालने वाले पशु प्रेमियों व गैर सरकारी संगठनों को दण्डित करने का

भी निर्देश दिया गया था। परन्तु इस जनहितकारी अदालती आदेश के बाद तो देश के कुत्ता प्रेमियों में कोहराम मच गया। मानव सुरक्षा को दरकिनार कर कुत्ता प्रेमियों द्वारा तर्क दिया जाने लगा कि शेल्टर होम्स में कुत्ते असुरक्षित रहेंगे। क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के चलते लाखों कुत्तों को शेल्टर में रखना अव्यावहारिक है। इससे लाखों कुत्तों को कैद करने और संभावित रूप से मारने का खतरा बढ़ेगा। इसे एनिमल बर्थ कंट्रोल (डॉग्स) रूल्स, 2023 का उल्लंघन बताया जाने लगा। पशु प्रेमियों द्वारा इस अदालती आदेश को बहुत कठोर बताया जाने लगा। जगह जगह धरने प्रदर्शन शुरू हो गये। कुत्ता प्रेमी अदालती आदेश की अवहेलना करने पर आमादा दिखाई देने लगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर 22 अगस्त 2025 को एक संशोधित आदेश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने 11 अगस्त 2025 के मूल आदेश में बदलाव करते हुये नये निर्देश जारी किये। इन संशोधित निदेशों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया कि कुत्तों को पकड़ना जारी रखें, लेकिन उन्हें स्टरलाइज (नसबंदी), डीवार्म (कीड़े निकालना) तथा वैक्सीनेट (टीका लगाना) करें।गैर -आक्रामक (नॉन-एग्रेसिव) और गैर-संक्रमित (रेबीज मुक्त) कुत्तों को उसी इलाके में वापस छोड़ें। केवल रेबीज संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को ही अलग शेल्टर में रखें। जबकि सड़कों पर खाना खिलाना प्रतिबंधित करार दिया गया। अदालत ने प्रत्येक वार्ड में समर्पित फीडिंग स्पॉट बनाने व नोटिस बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया। यह भी निर्देशित किया गया कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद ले सकते हैं, लेकिन उन्हें सड़क पर नहीं छोड़ सकते। इन निदेशों में बाधा डालने वाले कथित पशु प्रेमियों पर व्यक्तिगत तौर पर 25,000 तथा गैर सरकारी संगठनों पर 2,00,000 रुपए जुमार्ना लगाने का निर्देश दिया गया। जुमार्ने से वसूली गई यह धनराशि शेल्टर होम बनाने में इस्तेमाल होगी। यह संशोधित आदेश पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और अइउ रूल्स, 2023 पर आधारित है, जो पशुओं को मारने के बजाय स्टरलाइजेशन और वैक्सीनेशन पर जोर देता हैं।

परन्तु समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि नागरिक सुरक्षा और पशु कल्याण के मध्य संतुलन कैसे बिठाया जाये। पशु प्रेमी होने में कोई बुराई नहीं। परन्तु क्या पशु प्रेम विशेषकर कुत्ता प्रेम को मानव प्रेम पर तरजीह दी जा सकती है ? देश में रोजाना कुत्ते के काटने से सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल होते हैं। अनेक की मौत हो जाती है। इनहीं कुत्तों की वजह से अनेक दुर्घटनायें होती हैं। स्कूल जाते बच्चों पर व असहाय बुजुर्गों पर आवारा कुत्ते घातक हमले कर देते हैं। उस समय इन कुत्तों से प्यार करने वाला कोई भी पशु प्रेमी सामने नहीं आता। उल्टे कई बार तो पीड़ित राहगीरों पर ही यह दोष मढ़ दिया जाता है कि वह उधर से गुजरा ही क्यों ? या फिर पहले उसने कुत्ते को छेड़ा होगा आदि आदि। हद तो यह है कि कई बार यही कुत्ते अपने कुत्ता प्रेमी को ही काट लेते हैं। निश्चित रूप से कुत्तों को दोष इसलिए नहीं दिया जा सकता कि उनकी प्रवृति ही हिंसक है। इसलिये कुत्तों के काटने भोंकने या उनके पीछे दौड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि कुत्तों की वफादारी से भी इंकार नहीं किया जा सकता। कुत्तों को तो मनुष्य से भी अधिक वफादार माना जाता है। परन्तु उनकी हिंसक प्रवृत्ति को नकारना और कुत्ता प्रेम की शर्त पर मानव सुरक्षा से समझौता करना भी तर्कसंगत नहीं।

इसी संदर्भ में एक बात और भी ध्यान देने योग्य है कि जिस तरह सर्वोच्च न्यायलय के गत 11 अगस्त के आदेश के बाद देश के कुत्ता प्रेमी सड़कों पर उतर आये और अपने पशु प्रेमी होने का प्रदर्शन करने लगे यहाँ तक कि कई कुत्ता प्रेमी तो अदालती आदेश को लेकर रोते पीटते भी दिखाई दिये वास्तव में यदि इसी स्तर पर समग्र भारतीय समाज में मानव प्रेम की भावना होती तो शायद आज देश में कहीं भी वृद्धाश्रम की जरुरत न होती। वृंदावन में लाखों विधवाएं अपने भाग्य पर आंसू न बहा रही होतीं। अयोध्या,मथुरा व काशी जैसे अनेक धर्म स्थान बुजुर्ग व असहाय भिखारियों से भरे न होते। देश के स्टेशन व फुट पाथ पर बड़ी संख्या में निराश्रित लोग नजर न आते।

ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था जादू!

- योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को ह्लखेल दिवसह्व के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान- खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था। 1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूनामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूनामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए। दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया।

आज का राशिफल

मेष समय अनुकूल रहने वाला है और आपको अचानक लाभ भी प्राप्त हो सकता है।	**तुला** आज व्यापार के मामले में आप कुछ योजनाएं बनाने में व्यस्त रह सकते हैं।
वृषभ कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी और आपको भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा।	**वृश्चिक** आज कार्यक्षेत्र में आप कुछ कार्यों को लेकर उलझन में रह सकते हैं।
मिथुन आज आपका पूरा दिन व्यापार और कारोबार के मामले में बेहतरीन रहने वाला है।	**धनु** किसी प्रतियोगिता या परीक्षा में सफल होने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।
कर्क आपको बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं, जिससे तनाव काफी हद तक कम होगा।	**मकर** कार्यक्षेत्र में किसी काम या डील के सिलसिले में दिनभर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है।
सिंह प्रतिद्वंदियों का सामना करना पड़ सकता है। फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा।	**कुंभ** अचानक काम एक साथ आ सकते हैं। ऐसे में कुछ समय के लिए उलझन महसूस हो सकती है।
कन्या लंबे समय से समस्या या बाधा का सामना कर रहे थे तो अब उससे छुटकारा मिल सकता है।	**मीन** आज आपको अपने रोजगार को सही तरीके से चलाने के लिए प्रयास करने होंगे।

विशेष

हाईकोर्ट जजों को 3 महीने में फैसला सुनाने की अनिवार्यता

सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने रजिस्टार जनरल को आदेश दिया है। हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है। यदि फैसला 3 महीने से ज्यादा लंबित है। उसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दी जाए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि फैसला ज्यादा लंबे समय तक लंबित रहता है। ऐसी स्थिति में लोगों का न्यायपालिका से भरोसा उठ जाता है। हाई कोर्ट के न्यायाधीश कहते हैं, वह सुप्रीम कोर्ट के अधीनस्थ नहीं है। आशा है सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आम जनता का न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा। हालांकि ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा है। सुप्रीम कोर्ट जो आदेश और निर्देश देती है। उसको ना तो सरकार मान रही है, ना ही सरकार के अधिकारी मान रहे हैं। अब तो हाईकोर्ट और निचली कोर्ट भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को गंभीरता से नहीं लेते हैं। जिसके कारण न्यायपालिका का अब भगवान ही मालिक है।

मोदी को मित्रों की चिंता

राहुल गांधी इन दोनों वोट अधिकार यात्रा को लेकर बिहार में दौरा कर रहे हैं। बहन प्रियंका गांधी भी पहुंच गई हैं। उन्होंने कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा के अभ्यर्थियों से कहा, प्रधानमंत्री मोदी को युवाओं की चिंता नहीं है। उन्हें तो बस अपने मित्रों की ही चिंता है। उन्होंने कहा मोदी सरकार चोरी करके सत्ता में आई है। मोदी जी युवाओं पर पुलिस की लाठी चलवाते हैं। मोदी डरपोक हैं, ऐसा लगता है। राहुल गांधी इन दोनों फुल चार्ज में है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1499: तुर्की ने लेपान यूनान पर कब्जा किया. 1782: पोर्ट्स साउथ इंग्लैंड में मरम्मत के दौरान एक जहाज के डूबने से 1100 लोग मारे गए. 1842: एंग्लो चीन युद्ध समाप्त हुआ. 1935: बेल्जियम की रानी एस्ट्रिड का स्विटजरलैंड में हुई एक दुर्घटना में निधन हुआ. 1943: द्वितीय विश्वयुद्ध में नाजियों के खिलाफ विद्रोह के दौरान डेनमार्क के युद्धपोतों को काफी नुकसान उठाना पड़ा. 1947: भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए डॉ. बी. आर. आंबेडकर के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया. 1960: जार्डन के प्रधानमंत्री हज्जा अल मजाली की हत्या कर दी गई. 1965: अमरीकी अंतरिक्षयात्री गार्डन कपूर और चार्ल्स कानराड आठ दिन तक अंतरिक्ष में रहने के बाद अटलांटिक में सुरक्षित उतरे. 1976: विद्रोही कवि काजी नजरूल इस्लाम का निधन हुआ.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

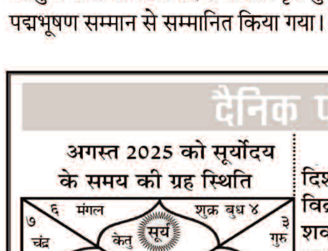

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.05 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	09.16 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.30 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.51 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.38 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.11 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.21 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मिथुन	00.19 बजे से
		कर्क	02.33 बजे से
		सिंह	04.49 बजे से

2025 वर्ष का 241 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला
तिथि षष्ठी 20.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 11.39 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 14.13 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.09 बजे तदनन्तर तैतिल 20.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872451
जूलियन दिन 2460916.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कोर्ट में 1500 अधिवक्ताओं के लिए मुफ्त वाई–फाई की सुविधा शुरू

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर सिविल कोर्ट में जिला बार एसोसिएशन से जुड़े 1500 अधिवक्ताओं के लिए मुफ्त में वाई–फाई की सुविधा शुरू कर दी गयी है. अधिवक्ता अब ऑनलाइन सर्च, डाउनलोड आदि आसानी से कर पा रहे हैं. जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आरएन दास के नेतृत्व में काम कर रही नयी कमेटी ने अधिवक्ताओं को ऑनलाइन सुविधा से जोड़ने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है. दूसरे चरण में जिला बार एसोसिएशन बिल्डिंग में जल्द ही एयर कंडिशन लगाने की बात कही गयी है, इससे अधिवक्ताओं को गर्मी के दिनों में राहत मिलेगी. वर्तमान में जिला जज व अन्य न्यायाधीश के कोर्ट में एयर कंडिशन की सुविधा है.

दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि देने पहुंचे राज्यपाल, परिवार से की मुलाकात

जमशेदपुर, एजेंसी। दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि देने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शुक्रवार को घोड़ाबांधा पहुंचे। वे सड़क मार्ग से चांडिल के रास्ते सड़क मार्ग से दोपहर करीब पौने एक बजे वे घोड़ाबांधा फुटबॉल मैदान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। राज्यपाल गंगवार ने दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने रामदास सोरेन के बड़े पुत्र सोमेश सोरेन से मुलाकात कर सांत्वना दी। राज्यपाल ने कहा कि रामदास सोरेन ने समाज और प्रदेश के लिए उल्लेखनीय कार्य किए थे, उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान दिवंगत मंत्री की पत्नी सूरजमणि सोरेन बेटे रॉबिन और रूपेश सोरेन के साथ बेटी भी मौजूद रहीं। परिजनों से मिलकर राज्यपाल ने दुख की घड़ी में धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया। मंत्री रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि देने के बाद राज्यपाल का काफिला वापस राजधानी रांची के लिए रवाना हो गया।

आंध्र प्रदेश में मालगाड़ी दुर्घटना से दक्षिण जाने वाली ट्रेनें बाधित, अलेप्पी एक्सप्रेस के पहिए थमे

धनबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम स्टेशन यार्ड में मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण दक्षिण जाने वाली ट्रेनों के पहिए थम गए हैं। कई पैसेंजर ट्रेनों को रद कर दिया गया है। लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें अलग–अलग स्टेशन पर रोक दी गई हैं। गुरुवार को रवाना हुई धनबाद–अलेप्पी एक्सप्रेस के पहिए भी थम गए हैं। विजयनगरम से ठीक पहले बोब्बिली स्टेशन पर छह घंटे से अलेप्पी एक्सप्रेस खड़ी है। अलेप्पी से धनबाद की ओर से चलने वाली ट्रेन भी आंध्र प्रदेश के अन्नावरम स्टेशन के पास खड़ी है। रेल परिचालन सामान्य होने को लेकर अब तक कोई सूचना जारी नहीं की गई है। भारी बारिश से रेलवे ट्रैक प्रभावित होने के कारण जम्मू जाने वाली ट्रेनें अब भी प्रभावित हैं। धनबाद होकर चलने वाली कोलकाता–जम्मू तवी एक्सप्रेस 29 अगस्त को रद कर दी गई है। वापसी में जम्मूतवी से कोलकाता के बीच चलने वाली ट्रेन जम्मू तवी के बदले लुधियाना से चलाई जाएगी। टाटा से जम्मूतवी जाने वाली ट्रेन अमृतसर तक जाएगी। हावड़ा से आसनसोल, जसीडीह होकर जम्मू तवी तक जाने वाली हिमगिरी एक्सप्रेस भी आज रद कर दी गई है। रेलवे से जारी सूचना में बताया गया कि कठुआ–माधोपुर समेत पंजाब के कई क्षेत्रों में जलजमाव के कारण ट्रेनें रद की गई है।

तकनीकी शिक्षण संस्थानों को पीपीपी मोड पर चलाएगी सरकार, अंब्रेला पालिसी होगी लागू

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार नए तकनीकी शिक्षण संस्थानों को निजी भागीदारी से चलाने के लिए नीति लागू करेगी। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को झारखंड विधानसभा से पारित कराने के बाद अब पीपीपी (पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप) पालिसी के ड्राफ्ट को अंतिम रूप देने में जुट गई है। विभाग द्वारा स्थापित किए जा रहे इंजीनियरिंग कालेजों, प्रोफेशनल कालेजों तथा पालीटेक्निक संस्थानों को निजी भागीदारी से चलाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए अब एक अंब्रेला पालिसी लागू होगी, जिसके तहत ही निजी क्षेत्रों को उसके संचालन की जिम्मेदारी दी जाएगी। अभी तक विभिन्न संस्थानों को पीपीपी मोड पर संचालन अलग–अलग शर्तों और अवधि के लिए हो रहा है।अब सभी संस्थानों के मामले में एक समान शर्तें लागू होंगी तथा समान अवधि के लिए संस्थानों को चलाने की जिम्मेदारी निजी क्षेत्रों को दी जाएगी।पालिसी में झारखंड के स्थानीय युवाओं के आरक्षण से लेकर उनके शुल्क में छूट आदि का प्रविधान किया जा रहा है। कितनी सीटें मैनेजमेंट कोटा की होंगी, इसका भी निर्धारण पालिसी में किया जाएगा। बताते चलें कि वर्तमान में तीन इंजीनियरिंग कालेज रामगढ़, चाईबासा तथा दुमका में पीपीपी मोड में संचालित किया जा रहा है।वहीं, सिल्ली पालीटेक्निक सहित कुछ अन्य पालीटेक्निक का संचालन इस आधार पर किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा बोकारो में इंजीनियरिंग कालेज तथा गोड्डा में प्रोफेशनल कालेज की स्थापना की गई है, जिनका संचालन पीपीपी मोड पर कराया जा सकता है।वहीं, जमशेदपुर में नए इंजीनियरिंग कालेज का निर्माण होना है। गोला एवं कोडरमा में इंजीनियरिंग कालेज चलाने के लिए निजी भागीदार का चयन पहले ही कर लिया गया है।

साहिबगंज के वन स्टॉप सेंटर में नाबालिग के साथ हुई थी छेड़खानी: राष्ट्रीय महिला आयोग

साहिबगंज, एजेंसी। वन स्टॉप सेंटर में एक नाबालिग के साथ हुई छेड़खानी के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की भी एंट्री हो गई है। गुरूवार को एक दिन के प्रवास पर राष्ट्रीय महिला आयोग की तीन सदस्यीय टीम साहिबगंज पहुंची। टीम करीब दोपहर 12 बजे वन स्टाप सेंटर पहुंची और मामले की बारीकी से जांच पड़ताल की। इस दौरान बाल कल्याण समिति की तीन महिला सदस्य, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी और पीड़ित नाबालिग से पूछताछ की गई।

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। पूछताछ में घटना सही पाई गई है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक बच्चियों के साथ इस तरह की हैवानियत होती रहेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने आगे कहा कि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष का पद एक जिम्मेदारी होती है। बच्चों की सुरक्षा इनके कंधों पर होती है। लेकिन पदाधिकारी की ही नीयत खराब रहेगी तो कैसे हमारे समाज की बच्चियां सुरक्षित रहेंगी वन स्टॉप सेंटर से सीसीटीवी फुटेज, सभी सदस्यों से लिखित रूप में रिपोर्ट देने को कहा गया है। आरोपी अब्दुस सुभान ने भी अपना अपराध स्वीकार किया है।

दरअसल घटना 6 अगस्त की है। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अब्दुस सुभान से कहा कि एक महिला गर्भवती है। इस बात की जानकारी उसके अभिभावक को दे दी जाए ताकि वे उसे लेकर चले जाए। काउंसलिंग रिपोर्ट के अनुसार शाम 7:30 बजे अध्यक्ष वहां गए और प्रसूता से जानकारी लेने के दौरान पास में खड़ी लड़की से उसका हालचाल जानने लगे। यह बात काउंसलिंग रिपोर्ट में नाबालिग ने बताई है।दरअसल नगर थाना क्षेत्र की नाबालिग ने एक युवक के साथ भागकर शादी कर ली थी। इस दौरान नाबालिग के परिजनों ने नगर थाना में मामला दर्ज करवाया था। जिसके बाद युवक ने नगर थाने में जाकर सरेंडर कर दिया था। पुलिस ने बालिग युवक को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया और नाबालिग लड़की को वन स्टॉप सेंटर में अस्थाई तौर पर देखरेख के लिए भेज दिया। जिसके बाद से ही नाबालिग वन स्टॉप सेंटर में रह रही थी।

वन स्टॉप सेंटर शोषित, पीड़ित महिलाओं और लड़कियों को संरक्षण देती है। इनकी देखरेख के लिए सिर्फ महिला पदाधिकारी और कर्मी ही होते हैं। किसी भी पुरुष की एंट्री पर रोक रहती है। फिलहाल कई पद खाली रहने के बाद जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी को केंद्र प्रशासक बना दिया गया है। इन्हीं की देखरेख में केंद्र चल रहा है। हालांकि वन स्टॉप सेंटर, जिला समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आता है। इसमें रहने वाली महिला को निःशुल्क कानूनी सलाह के रूप में वकील मुहैया कराया जाता है।

इधर राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान घटना सही पाई गई है। आरोपी अब्दुस सुभान जेल में है। रिपोर्ट आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां कुव्यवस्था का आलम देखा गया। साहिबगंज मंडल कारा में महिलाओं से मिलीं। बेहतर सुविधा देने को कहा गया है।

बहुमंजिला कपड़ा शोरूम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

देवघर, एजेंसी। जिले के टावर चौक पर बुधवार देर रात को एक कपड़े के शोरूम में भीषण आग लग गई। इस बहुमंजिला दुकान में देखते-देखते आग बेकाबू हो गई और पूरे दुकान में आग फैल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब 2:30 बजे रात को दुकान से धुआं निकलता दिखाई दिया। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, पूरी दुकान में आग फैल गई।

लोगों ने तुरंत दुकान मालिक और अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को बुझाने में जुट गई। लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए दो और दमकल गाड़ियां मंगवायी गई और लगभग साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक दुकान का पूरा सामान जलकर राख हो चुका था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि देर रात होने के कारण आग पर काबू पा लिया गया। यदि घटना दिन में होती तो हैवी ट्रैफिक की वजह से दमकल गाड़ी मौके पर नहीं पहुंच पाती। साथ ही माल जाल को भी काफी नुकसान पहुंचता। घटना को लेकर कुंडा थाना के इंस्पेक्टर राजीव कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है। हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही घटना का स्पष्ट कारण पता चल पाएगा। वहीं, कपड़ा शोरूम के मालिक ने बताया कि आग लगने से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। कपड़ों समेत सारा सजावटी सामान जलकर राख हो गया।

देवघर में दिनदहाड़े युवक की चाकू घोंपकर हत्या, अपराधी की तलाश में जुटी पुलिस

देवघर, एजेंसी। जिले के कुंडा थाना अंतर्गत बाजार समिति के पास दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों ने कौशल नामक 25 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद परिजन घायल कौशल को सदर अस्पताल ले गए। जहां रास्ते में युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कुंडा थाना और नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। जहां स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर अपराधियों की खोजबीन में जुट गई है।

घटना के संबंध में मृतक के पिता ने बताया कि मंगलवार रात कौशल एक पार्टी में तहरी बनाने के लिए घर से निकला था।

सुबह वह पार्टी से लौट रहा था कि तभी विकास होटल के पास एक अज्ञात युवक ने कौशल पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे कौशल बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कौशल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।पिता ने बताया कि उसका किसी से कोई विवाद नहीं था और न ही किसी से लड़ाई हुई थी। इसके बावजूद उसकी हत्या कर दी गई है।

पाकुड़ में जर्जर स्कूल भवनों को तोड़कर बनेंगे नए भवन, शिक्षा विभाग ने शुरू की प्रक्रिया

पाकुड़, एजेंसी। जिले के दर्जनों जर्जर स्कूल भवनों में पढ़ाई कर रहे बच्चों के लिए राहत भरी खबर है। शिक्षा विभाग ने इन जर्जर भवनों को ध्वस्त कर उनके स्थान पर नए भवनों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए विभाग ने जर्जर स्कूल भवनों की सूची तैयार कर भवन निर्माण विभाग को भेज दी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिता पुरती ने इसकी जानकारी दी।

शिक्षा विभाग के अनुसार, जिले के कई स्कूल भवन जर्जर स्थिति में हैं। इनमें प्राथमिक विद्यालय जगतपुर, प्राथमिक विद्यालय पियर्सोल, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सीमलढाब, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बस्ताडीह, प्राथमिक विद्यालय जामबाद, प्राथमिक विद्यालय धनगढ़ा, मध्य विद्यालय मुर्गाडांगा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय तोड़ाई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय डांगापाड़ा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय हाथकाठी उर्दू, मध्य विद्यालय चांचकी, प्राथमिक विद्यालय टाकाटोला, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय खुटामारा, प्राथमिक विद्यालय कान्हूपुर, प्राथमिक विद्यालय रामनाथपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुसमाडांगा 2, मध्य विद्यालय कुँड़ापाड़ा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय संग्रामपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़ामोहलान और उत्क्रमित मध्य विद्यालय जादूपुर शामिल हैं। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय उदयनारायणपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय पाडेरकोला बी, आरके प्लस टू विद्यालय हिरणपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामनाथपुर, प्राथमिक विद्यालय गम्हरिया, रानी ज्योतिर्मयी बालिका उच्च विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय जमशेरपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोनाजोड़ी, प्राथमिक विद्यालय किस्मत लखनपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटा धनसरिया, मध्य विद्यालय धरमपुर, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय जरमुंडी, उत्क्रमित उच्च विद्यालय करियोडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधुवन, प्राथमिक विद्यालय कारीपहाड़ी, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बेहड़ा, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय एचगो, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बड़ा कामोगोड़ा, प्राथमिक विद्यालय बड़ा पकटोली, प्राथमिक विद्यालय जबरदाहा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चितलो, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहरबनी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चितरो, मध्य विद्यालय धरमपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुँजबोना, प्रोजेक्ट हाई स्कूल धरमपुर और प्राथमिक विद्यालय बड़ाघघरी जैसे स्कूल भी जर्जर स्थिति में हैं। इन सभी भवनों को ध्वस्त कर नए भवनों का निर्माण कराया जाएगा। शिक्षा विभाग ने स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि जिन भवनों में छज्जा या पिलर टूटने की स्थिति में हैं, वहां से बच्चों को तत्काल अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर पढ़ाई कराई जाए।

एमपी-एमएलए कोर्ट ने सभी आठ आरोपियों को किया बरी, अदालत के फैसले के बाद क्या बोले नीरज के भाई?

न्यायालय से फैसला आने के बाद कोर्ट से बाहर निकलने पर नीरज सिंह के भाई अभिषेक सिंह ने कहा कि वे उच्च न्यायालय में अपील करेंगे

धनबाद, एजेंसी। बुधवार को शाम 5:30 बजे के समय था। जोरदार बारिश हो रही थी। सरायढेला के कृष्णा नगर में भी जोरदार बारिश हो रही थी। सभी घरों के दरवाजे बंद थे। पीसीसी पथ पर पानी की जोरदार धाराए बह रही थीं और एक गली के अंदर अशोक यादव के मकान का दरवाजा बंद था। दरवाजा खटखटाने पर एक महिला बाहर आती है। पूछने पर बताया कि स्व. अशोक यादव का परिवार उपर के तल पर रहता था। थोड़ी देर बाद उपर जाने पर सीढ़ी पर ही अशोक यादव के छोटे पुत्र से मुलाकात होती है। यह बताने पर की अखबार से आए हैं तो उन्होंने कहा कि वे अभी कुछ नहीं कहना चाहते। नाम पूछने पर भी कहा कि अभी छोड़ दीजिए।

कुछ आगे बात बढ़ाने पर उन्होंने बस इतना कहा कि परिवार के लोगों से बात कर आगे अपील करने पर निर्णय लिया जाएगा। अशोक यादव की पत्नी से मिलने की बात पर बेटे ने कहा कि रहने दीजिए।

न्यायालय से फैसला आने के बाद कोर्ट से बाहर निकलने पर नीरज सिंह के भाई अभिषेक सिंह ने कहा कि वे उच्च न्यायालय में अपील करेंगे। उम्मीद के अनुरूप फैसला नहीं आया है। हालांकि इसके बाद वे कुछ भी नहीं बोले। अपनी गाड़ी में बैठे और रवाना हो गए।

लोयाबाद: एमपी-एमएलए के विशेष न्यायालय ने नीरज सिंह हत्याकांड मामले में आठ आरोपितों को बरी कर दिया है। इस हत्याकांड में नीरज सिंह के साथ उनके चालक घोल्टू महतो की मौत हुई थी। लोयाबाद मदनाडीह में घोलटू महतो का परिवार निवाश करता है।

पत्नी मीना देवी इस फैसले से काफी निराश हैं। बस उन्होंने इतना ही कहा कि इस फैसले से वे काफी दुखी हैं। इस नरसंहार के लिए दोषियों को सजा मिलनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उन्हें भगवान पर पूरा भरोसा है। उन हत्यारों को ईश्वर की अदालत में सजा जरूर मिलेगी।

हजारीबाग में ई-रिक्शा चालक का शव मिलने के बाद बवाल, हत्या की आशंका

हजारीबाग, एजेंसी। शहर के बुढ़वा महादेव मंदिर चौक के पास देर रात एक ई-रिक्शा चालक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से शहर में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान लोहसिंघना निवासी फैज अहमद उर्फ कैश (35) के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने शव को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि फैज अहमद की सुनियोजित तरीके से हत्या की गई है, क्योंकि उसके गले पर धारदार हथियार से वार का गहरा निशान और चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग अस्पताल परिसर में जुट गए और पुलिस प्रशासन से तत्काल मामले का खुलासा करने की मांग करने लगे। आक्रोशित परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो हजारीबाग में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद लोहसिंघना क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। हालांकि पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिला है। जिसमें हादसा दुर्घटना प्रतीत हो रहा है।

भू-धंसान प्रभावितों की सुरक्षा व बेहतर पुनर्वास प्राथमिकता : सतीश दुबे

धनबाद, एजेंसी। कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा है कि भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रह रहे लोगों की सुरक्षा व बेहतर पुनर्वास प्राथमिकता है। इसलिए कैबिनेट से संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मंजूरी दी गयी है। इसके तहत पुनर्वास परिवारों की स्थायी आजीविका के साधन मुहैया कराने, परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए विशेष कौशल विकास और रोजगार परक उपाय को महत्व दिया गया है। इस योजना पर करीब 5940 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मंत्री ने यह बातें मंगलवार को धनबाद में प्रभात खबर से विशेष बातचीत में कहीं। कहा कि संशोधित झरिया मास्टर प्लान के सफल क्रियान्वयन के लिए जल्द सीइओ नियुक्त होंगे। यह राज्य सरकार को करना है।

इसके लिए वेकेंसी भी जारी कर दी गयी है। मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बहुत ही सकारात्मक वार्ता हुई है। भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर बसाने के दिशा में जल्द ही टीम बनाई जायेगी। उम्मीद है कि राज्य सरकार के साथ समन्वय स्थापित बेहतर परिणाम आयेंगे।

मंत्री श्री दुबे ने कहा कि एक समय था जब थर्मल पावर प्लांटों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला नहीं रहता था। परंतु वर्तमान में थर्मल पावर प्लांटों में ना सिर्फ जरूरत के मुताबिक, बल्कि उससे कही ज्यादा कोयले का स्टॉक है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर प्रयास से अधिक बिजली दे रहे हैं।

कोयला राज्य मंत्री श्री दुबे ने कहां कि टीम वर्क से ना सिर्फ बीसीसीएल, बल्कि इसीएल व सीसीएल बेहतर प्रदर्शन कर रही है। जिसे आगे भी निरंतर जारी रखाना है। बोनस के सवाल मंत्री श्री दुबे ने कहा कि हर साल की तरह कोयला श्रमिकों को बेहतर बोनस मिलेगा।

मानसून सत्र का समापन, पक्ष-विपक्ष की नोंकझोंक के बीच यादगार रहेगी सदन की कार्यवाही

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र कई मायनों में अहम रहा। एक तरफ सदन से सत्र के दौरान दिवंगत हुए दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पारित हुआ। वहीं दूसरी ओर चालू वित्तीय वर्ष का पहला भारी भरकम अनुपूरक बजट की मंजूरी प्रदान की गई।

प्रारंभ में मानसून सत्र 1 अगस्त से 7 अगस्त तक आहूत किया गया था परंतु बीच सत्र में ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की वजह से 4 अगस्त को ही इसे स्थगित करना पड़ा। दिशोम गुरु के निधन से अभी राज्य उबरा नहीं था कि एक और दुखद समाचार शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन से हुआ। दो बड़े राजनीतिक चेहरे का यूंही सदा के लिए जाना सियासी जगत के लिए बड़ी क्षति मानी जाएगी।

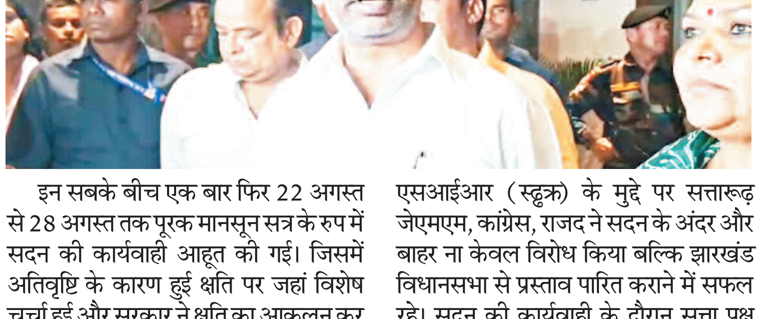

इन सबके बीच एक बार फिर 22 अगस्त से 28 अगस्त तक पूरक मानसून सत्र के रुप में सदन की कार्यवाही आहूत की गई। जिसमें अतिवृष्टि के कारण हुई क्षति पर जहां विशेष चर्चा हुई और सरकार ने क्षति का आकलन कर किसानों और आम लोगों को समुचित मुआवजा देने की घोषणा की। वहीं एसआईआर (स्ढ्ढक्र) के मुद्दे पर सत्तारूढ़ जेएमएम, कांग्रेस, राजद ने सदन के अंदर और बाहर ना केवल विरोध किया बल्कि झारखंड विधानसभा से प्रस्ताव पारित कराने में सफल रहे। सदन की कार्यवाही के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के नोंकझोंक के बीच पांच महत्वपूर्ण विधेयक पास हुए। जिसका दूरगामी प्रभाव आने वाले समय में देखने को मिलेगा। सदन से जिन विधेयकों की मंजूरी मिली उसमें झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, झारखंड व्यावसायिक शिक्षण संस्थान विधेयक, झारखंड कोचिंग सेंटर विधेयक, झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विधेयक तथा झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक निबंधन और कल्याण विधेयक 2025 शामिल है।

मानसून सत्र के समापन के दौरान स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने सदन में बताया कि इस बार 324 प्रश्न स्वीकृत किए गए। जिसमें 107 अल्पसूचित, 183 तारंकित तथा 34 अतारांकित प्रश्न शामिल है। शून्य काल में कुल 70 सूचनाएं स्वीकृत हुई और कुल 21 निवेदन प्राप्त हुए।

राधा अष्टमी के दिन श्री राधा रानी को अर्पित करें ये चीजें, धन-धान्य से भरा रहेगा घर

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। राधा अष्टमी के दिन राधा रानी का जन्मोत्सव मनाने के साथ ही उनकी सेवा-पूजा एवं भव्य श्रृंगार का भी विधान है। इसके अलावा, राधा रानी की पूजा के दौरान उन्हें कुछ चीजें अर्पित करने से उनकी कृपा प्राप्त हो सकती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें बांसुरी

बांसुरी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि श्री कृष्ण बांसुरी तभी बजाते थे जब पहले राधा रानी उसमें स्वर का संचार करती थीं। ऐसे में कृष्ण प्रिय बांसुरी राधा रानी को अर्पित करने से वह शीघ्र प्रसन्न हो जाती हैं।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें चूड़ा

राधा रानी को हाथ में पहनने वाले कड़े अर्पित करने चाहिए। यानी कि जब आप उनका श्रृंगार कर रहे हों तो उन्हें चूड़ा या कड़ा अवश्य पहनाएं। ऐसी मान्यता है कि कृष्ण भगवान को राधा रानी के हाथों में कड़े बहुत भाते थे।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें मोरपंख

मोरपंख न सिर्फ कृष्ण प्रिय है बल्कि राधा रानी को भी मोरपंख बहुत भाता है। ऐसे में अगर राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को मोरपंख अर्पित जाए तो इससे व्यक्ति के जीवन के सभी दुख और नकारात्मकता दूर होती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें नाम जाप

राधा अष्टमी के दिन जितना हो सके उतना राधा नाम का जाप या कृष्ण नाम का जपा करना चाहिए। शास्त्रों में भी लिखा है कि नाम जाप से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। ऐसे में राधा कृष्ण का नाम जाप करने से उनका सानिध्य मिलता है।

मोक्षदायिनी है परिवर्तिनी एकादशी

तिथि, मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व होता है. सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं, जिनमें से प्रत्येक व्रत का अलग-अलग फल और महत्व माना गया है. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है. मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है.

एकादशी का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और हर महीने में दो बार आता है. इनमें से एक एकादशी, परिवर्तिनी एकादशी, विशेष महत्व रखती है. यह व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु अपनी चार महीने की योगनिद्रा की मुद्रा में करवट लेते हैं, इसलिए इसे परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. आइए जानते हैं इस व्रत की तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व के बारे में विस्तार से.

परिवर्तिनी एकादशी कब है?

पंचांग के अनुसार, परिवर्तिनी एकादशी तिथि का आरंभ 3 सितंबर 2025 को सुबह 3 बजकर 53 मिनट पर होगा और यह तिथि अगले दिन 4 सितंबर 2025 को सुबह 4 बजकर 21 मिनट तक रहेगी. उदयातिथि के अनुसार, परिवर्तिनी एकादशी का व्रत 3 सितंबर को ही रखा जाएगा.

परिवर्तिनी एकादशी की पूजा विधि

एकादशी के दिन सुबह स्नान के बाद व्रत का संकल्प लें. भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें. उन्हें पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से स्नान कराएं.भगवान को पीले वस्त्र पहनाएं और पीली वस्तुओं से उनका श्रृंगार करें. इसके बाद उन्हें तुलसी दल, फूल, फल, मिठाई और विशेष रूप से माखन-मिश्री का भोग लगाएं. 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें. विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना भी बहुत शुभ माना जाता है. आखिर में, भगवान विष्णु की आरती करें. इस दिन रात्रि जागरण का विशेष महत्व है. रात में भगवान विष्णु के भजन-कीर्तन करें और उनकी महिमा का गुणगान करें. द्वादशी के दिन व्रत का पारण करें. पारण से पहले किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं या दान दें.

परिवर्तिनी एकादशी का महत्व

परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखने से कई शुभ फल प्राप्त होते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है.इस दिन व्रत रखने से घर में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है. सच्चे मन से की गई पूजा और व्रत से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. यह व्रत व्यक्ति को जीवन-मरण के बंधन से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाता है. इस प्रकार, परिवर्तिनी एकादशी का व्रत एक बहुत ही पवित्र और फलदायी व्रत है, जिसे विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है.

परिवर्तिनी एकादशी पर करें इन पांच चीजों का दान सभी कष्टों से मिलेगी मुक्ति

साल में 24 एकादशी तिथि होती है, जो सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन जगत के पालनहार की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। एकादशी तिथि पर व्रत रखने से व्यक्ति के धन धान्य में वृद्धि और जीवन में खुशियों का वास होता है। हर माह में आने वाली एकादशी तिथि का अपना विशेष महत्व होता है। हालांकि इनमें परिवर्तिनी एकादशी को सबसे खास माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु निद्रासन में अपनी करवट बदलते हैं, इसलिए इसका नाम परिवर्तिनी एकादशी है। इस साल 3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन शोभन योग के साथ उत्तराषाढ़ा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ऐसे में कुछ चीजों का दान करने से भाग्य में वृद्धि और तरक्की के योग का निर्माण हो सकता है।

पीले रंग के फल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु को पीला रंग अधिक प्रिय है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी पर पीले रंग के फल दान करने से शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

दाल का दान

परिवर्तिनी एकादशी के खास मौके पर दाल का दान करना चाहिए। मान्यता है कि दाल के दान से गुरु दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में खुशियों का वास होता है।

सफेद रंग की मिठाई

परिवर्तिनी एकादशी पर पीले या सफेद रंग की मिठाई का दान करें। मान्यता है कि इससे जीवन में मिठास बनी रहती है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी भी खुश होती हैं।

वस्त्र का दान

परिवर्तिनी एकादशी पर जरूरत लोगों को वस्त्र का दान करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं, और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कहते हैं कि वस्त्रों का दान करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी जीवन में बनी रहती है।

अन्न का दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंदों को अन्न का दान करने से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। आप परिवर्तिनी एकादशी पर अन्न का दान कर सकती है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें इन पेड़ों की पूजा, दूर होगा ग्रह दोष

परिवर्तिनी एकादशी इस साल 3 सितंबर की पड़ रही है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें केले के पेड़ की पूजा

केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, केले के पेड़ का संबंध बृहस्पति यानी कि गुरु ग्रह से बताया गया है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिनकेले के पेड़ की पूजाकरने से कुंडली में ब्रिहसी मजबूत होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें तुलसी के पौधे की पूजा

तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण से घर में तुलसी रखने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि घर में तुलसी का पौधा हो तो साक्षात लक्ष्मी वास करती हैं। एकादशी के दिन तुलसी को हात लगाने की मनाही है लेकिन तुलसी के पास दीपक जला सकते हैं।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें पीपल के पेड़ की पूजा

पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से सभी देवी-देवताओं की कृपा घर पर बनी रहती है। इसके अलावा, इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से ग्रह दोष एवं वास्तु दोष भी दूर होता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन घी का दीया जलाने के क्या लाभ हैं

- परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं।
- हिन्दू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु को पंचगव्य अर्पित करने से 1000 यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है।
- इसके अलावा, 10 हजार अनुष्ठानों के बराबर फल मिलता है। घी भी गाय के दूध से बनता है और पंचगव्य का ही एक हिस्सा है।
- ऐसे में भगवान विष्णु को घी चढ़ाने या उनके समक्ष घी का दीया जलाने से यज्ञों और अनुष्ठानों के समान फल की प्राप्ति होती है।
- वहीं, ज्योतिष शास्त्र की मानें तो हर खान-पान से जुड़ी वस्तु का नाता ग्रहों से होता है। ऐसे में घी का संबंध बृहस्पति ग्रह से है।
- परिवर्तिनी एकादशी के दिन अगर भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाया जाए तो उनकी कृपा से गुरु ग्रह मजबूत होते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को ऐसे करें राधा स्वरूप में तैयार

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधाष्टमी मनाई जाती है। इस दिन जहां एक ओर राधा रानी के भव्य श्रृंगार और उनकी पूजा का विधान है तो वहीं, इस दिन लड्डू गोपाल को राधा रानी के रूप में भी तैयार किया जाता है। जिन लोगों के घरों में राधा रानी विराजमान नहीं है वह लड्डू गोपाल का राधा रानी के रूप में श्रृंगार कर सकते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल का राधा रानी रूप में श्रृंगार

- राधा रानी की तरह तैयार करने के लिए लड्डू गोपाल के लिए सबसे पहले सोलह श्रृंगार की वस्तुएं और वस्त्र खरीदकर रख लें।
- इसके अलावा, राधा राधा रानी की प्रिय वैजयंती माला, मोगरे के फूल और चंदन भी लाना न भूलें। इनके बिना श्रृंगार अधूरा है।
- इसके बाद राधा अष्टमी वाले दिन लड्डू गोपाल को सबसे पहले पंचामृत से स्नान कराएं। फिर चंदन से लाला को नहलाएं।
- फिर जल से स्नान कराने के बाद उन्हें गोपी ड्रेस पहनाएं। गोपी ड्रेस द्वापर युग में गोपियां और श्री राधा रानी धारण करती थीं।
- लड्डू गोपाल को गोपी ड्रेस पहनाने के बाद आंखों में काजल भरें। होठों पर लाली लगाएं। हाथों में कंगन और पैरों में पायल पहनाएं।
- इसके बाद कमर पर करधनिया यानी कि कमर बंद बांधें। लड्डू गोपाल को कानों में राधा रानी की तरह कुंडल पहनाएं।
- फिर लड्डू गोपाल को केश पहनाएं और केशों को फूलों से सजाएं। लड्डू गोपाल को गले में सुंदर सा हार भी पहनाएं।
- इसके बाद भौहों के ऊपर लड्डू गोपाल का चंदन से श्रृंगार करें। लड्डू गोपाल को पहनाई गई गोपी ड्रेस पर इत्र अवश्य छिड़कें।
- इसके बाद लड्डू गोपाल के समक्ष पहले राधा रानी या युगल जोड़ी की आरती गाएं। फिर लड्डू गोपाल की आरती करें।

राधा अष्टमी के दिन पढ़ें ये व्रत कथा

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि राधा अष्टमी के दिन जितना लाभकारी राधा रानी की पूजा करना होता है, उतना ही शुभ राधा अष्टमी की व्रत कथा सुना या पढ़ना माना जाता है।

राधा अष्टमी की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, श्री राधा रानी और श्री कृष्ण के धाम गोलोक में एक बार श्रीदामा जी पधारे जो कान्हा के परम भक्त और उनके साथी माने जाते हैं। यूं तो श्रीदामा श्री कृष्ण के साथ रहते थे लेकिन एक बार ब्रह्म ज्ञान के बारे में जानने हेतु वह गोलोक से बाहर गए। जब श्रीदामा वापस लौटे और कृष्ण दर्शनों के लिए उनके पास पहुंचे तब श्री राधा रानी के साथ श्री कृष्ण लीला करने में इतने लीन थे कि उन्हें श्रीदामा के आने का आभास ही नहीं हुआ। यह देख श्रीदामा बहुत दुखी हुए और उन्हें श्री राधा रानीके ऊपर भयंकर क्रोध आ गया। श्रीदामा का मानना था कि राधा रानी के कारण ही श्री कृष्ण उनसे दूर हो गए हैं। बस यही सोचते हुए उन्होंने श्री राधा रानी को यह श्राप दे दिया कि वह श्री कृष्ण से दूर हो जाएंगी और पृथ्वी पर जन्म लेंगी। असल में यह सब राधा रानी और कान्हा की ही रचाई हुई लीला थी। कृष्ण अवतार के दौरान प्रेम की मूल वाख्या को समझाने के लिए ही राधा रानी और श्री कृष्ण ने श्राप का यह खेल रचा ताकि कृष्ण से पहलेराधा रानीका पृथ्वी पर अवतरण हो जाए। इसके बाद राधा रानी का भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन बरसाना में जन्म हुआ।

उर्जित पटेल आईएमएफ में संभालेंगे जिम्मेदारी

2016 में भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर बने, 2018 में दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल तीन साल की अवधि के लिए होगा। वे केवी सुब्रमण्यन की जगह लेंगे। केवी सुब्रमण्यन की सेवाएं सरकार ने उनके तीन साल के कार्यकाल से छह महीने पहले ही समाप्त कर दी थीं। यह समाप्ति 30 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी।

आदेश में कहा गया, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को आईएमएफ में कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक रहेगी, जैसा कि 28 अगस्त, 2025 को जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया है।

आईएमएफ का कार्यकारी बोर्ड सदस्य देशों या देशों के समूहों की ओर से चुने गए 25 निदेशकों से बना होता है। भारत चार देशों के निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है, जिसके सदस्य बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान हैं। इस नियुक्ति से पहले उर्जित पटेल एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक में निवेश संचालन (क्षेत्र 1) के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। बीजिंग स्थित इस बहुपक्षीय वित्त पोषण संस्थान के अनुसार, पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने जनवरी 2024 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।उर्जित पटेल ने 2016 में रघुराम राजन के बाद भारतीय रिजर्व बैंक के 24वें गवर्नर का पदभार संभाला था। दिसंबर 2018 में केंद्रीय बैंक की ओर से सरकार को लाभांश हस्तांतरण के मुद्दे पर सरकार के साथ विवाद के बीच उन्होंने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

1963 में जन्मे उर्जित पटेल

1963 में जन्मे उर्जित पटेल ने 1998 से 2001 तक वित्त मंत्रालय के सलाहकार के रूप में भी काम किया। उन्होंने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में भी कई कार्यभार संभाले, जिनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज,आईडीएफसी लिमिटेड, एमसीएक्स लिमिटेड और गुजरात राज्य पेट्रोलियम निगम शामिल हैं।

1990 में येल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी

पटेल ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1986 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से एमफिल की उपाधि हासिल की। उन्होंने 1990 में येल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी पूरी की। इसके बाद वे आईएमएफ का हिस्सा बन गए। वे 1990 से 1995 तक अमेरिका, भारत, बहामास और म्यांमार के डेस्कों को कवर करते हुए वहीं कार्यरत रहे।

डिप्टी गवर्नर के रूप में भी काम किया: भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर का पद संभालने से पहले उर्जित पटेल ने डिप्टी गवर्नर के रूप में काम किया। उन्होंने मौद्रिक नीति, आर्थिक नीति अनुसंधान, सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन, जमा बीमा, संचार और सूचना के अधिकार जैसे विभागों का कार्यभार संभाला।

ट्रंप टैरिफ से भारत की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। जेफरीज के ग्लोबल स्ट्रैटेजिस्ट क्रिस वुड ने चेतावनी दी है कि डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए कड़े टैरिफ (शुल्क) भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर डाल सकते हैं। वुड का कहना है कि अगर ये ड्रेकोनियन टैरिफ लंबे समय तक जारी रहते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को लगभग 55 से 60 अरब डॉलर तक का झटका लग सकता है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात, रोजगार और विदेशी निवेश पर पड़ सकता है, जिससे कई सेक्टर्स को नुकसान उठाना पड़ सकता है। वुड ने अनुमान लगाया है कि यह नुकसान खासकर उन क्षेत्रों को होगा, जो अमेरिका को निर्यात पर निर्भर हैं। जैसे कि- टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी और इंजीनियरिंग गुड्स। उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ बढ़ने से भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमता घट जाएगी। जहां पहले भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में सस्ते और आकर्षक माने जाते थे। वहीं अब बढ़े हुए शुल्क के कारण इनकी कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे अमेरिकी खरीदार अन्य देशों से सामान आयात करना पसंद कर सकते हैं। इसके अलावा, यह कदम भारत में निवेश और रोजगार दोनों पर दबाव डाल सकता है। निर्यात घटने से कई उद्योगों में नौकरियों पर असर पड़ेगा और विदेशी निवेशक भी भारत में निवेश करने से हिचक सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को ऐसे हालात में नई नीतियां और राहत पैकेज लाने होंगे, ताकि नुकसान को कम किया जा सके और उद्योगों को सपोर्ट मिल सके।

एक समान कारोबार में एनबीएफसी की सहायक कंपनियां नहीं कर सकेंगी व्यापार

योजना लाने पर काम कर रहा आरबीआई

मुंबई एजेंसी। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की सहायक इकाइयां अब समान कारोबार में शामिल नहीं हो पाएंगी। आरबीआई जल्द ही इस तरह की योजना लाने पर काम कर रहा है। बैंकों के लिए यह नियम पहले से ही लागू हैं। अब एक ही कारोबार में दो कंपनियों के शामिल होने के टकराव को रोकने के लिए एनबीएफसी को भी इस दायरे में लाया जाएगा। सूत्रों ने बताया, आरबीआई कुछ एनबीएफसी के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रहा है। दिशानिर्देश जल्द जारी होने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक इस क्षेत्र में संभावित उथल-पुथल के प्रति सतर्क रहा है। उसने एनबीएफसी को चेतावनी दी है कि वह बेतहाशा कर्ज बांटने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा। आरबीआई को चिंता है कि ज्यादा ग्राहक लाने के लिए नकली कारोबार जैसी प्रथा जटिल ऋण संरचना को जन्म दे सकती है। इससे जोखिम बढ़ सकते हैं। सूत्रों ने बताया, आरबीआई का नया निर्देश मुख्य रूप से बड़ी गोल्ड फाइनेंस कंपनियों को प्रभावित कर सकता है। इसके बाद ही एचडीएफसी और एक्सिस जैसे कई बैंकों को अपनी उपभोक्ता ऋण सहायक कंपनियों को खरीदने के लिए साझेदारों की तलाश करनी पड़ी है।

7600 करोड़ की यूनिट का उद्घाटन, भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा का बड़ा मील का पत्थर

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत टैलेंट तैयार करने पर दे रहा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को जल्द ही अपना पहला सेमीकंडक्टर चिप मिल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले सेमीकंडक्टर चिप को देश को समर्पित करेंगे। वैष्णव ने गुजरात के साणंद जिले में सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड की उन्नत आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा का उद्घाटन किया।

वैष्णव ने कहा, यह यूनिट सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अमेरिका की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स और थाईलैंड की स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर करीब 7,600 करोड़ रुपये के निवेश से लगाई है। इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन से 50 वित्तीय सहयोग भी मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा का बड़ा मील का पत्थर है। मैंने माइक्रोन, कैन्स और धोलेरा के प्लांट्स भी देखे हैं। सभी जगह तेजी से काम हो रहा है। यह सपना अब हकीकत बनता दिख रहा है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन सिर्फ फैक्टरियों पर नहीं, बल्कि टैलेंट तैयार करने पर भी जोर दे रहा है।

वैश्विक स्तर पर 2032 तक लगभग 10 लाख विशेषज्ञों की कमी होने का अनुमान है। इस गैप को भरने के लिए भारत ने 270 विश्वविद्यालयों से साझेदारी की है, जहां छात्रों को दुनिया के सबसे एडवांस्ड चिप डिजाइन टूल्स उपलब्ध कराए गए हैं। वर्ष 2025 में ही छात्रों ने 12 लाख डिजाइन घंटे पूरे किए और 17 संस्थानों ने चिप डिजाइन कर उसे उत्पादन के अंतिम चरण तक पहुंचा दिया।

2021 में शुरू हुई थी सेमीकंडक्टर योजनाः केंद्र सरकार ने दिसंबर 2021 में 76,000 करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर योजना शुरू की थी। अब तक चार बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इनमें धोलेरा (असम) और साणंद (गुजरात) शामिल हैं। जल्द ही इनसे 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश और करीब 7 करोड़ चिप प्रतिदिन उत्पादन क्षमता हासिल होगी। सरकार ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत चार और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें से दो ओडिशा में और एक-एक आंध्र प्रदेश और पंजाब में होंगी।

यात्री वाहनों की बिक्री एक से 4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमानः इक्रा

मुंबई। घरेलू यात्री वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2025-26 में थोक बिक्री में एक से चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) द्वारा स्थिर पेशकश और जीएसटी दर में संभावित कटौती से चुनिंदा क्षेत्रों में मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। केंद्र ने गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है।

विजय केडिया का ओम इंफ्रा पर बड़ा दांव, खरीद रखे हैं 24 लाख शेयर

मुंबई, एजेंसी। विजय केडिया का इस छोटकू शेयर पर बड़ा दांव, खरीद रखे हैं 24 लाख शेयर, रॉकेट सा उड़ा स्टॉक दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में शामिल ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को रॉकेट सी तेजी आई है। ओम इंफ्रा के शेयर शुक्रवार को बीएसइ में 9 पर्सेंट से ज्यादा के उछाल के साथ 114.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। विजय केडिया का ओम इंफ्रा पर बड़ा दांव है। इसके अलावा, क्वांट म्यूचुअल फंड के पास भी इस स्मॉलकैप कंपनी के 39 लाख से ज्यादा शेयर हैं। ओम इंफ्रा के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 196.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 94 रुपये है। विजय केडिया के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 2400000 शेयर हैं। कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 2.49 पर्सेंट है। विजय केडिया ने अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज लिमिटेड के जरिए ओम इंफ्रा पर दांव लगाया है। केडिया के अलावा, क्वांट म्यूचुअल फंड के पास ओम इंफ्रा के 39,12,619 शेयर हैं। क्वांट म्यूचुअल फंड की ओम इंफ्रा में 4.06 पर्सेंट हिस्सेदारी है। शेयरहोल्डिंग का यह डेटा जून 2025 तिमाही तक का है। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर पिछले 5 साल में 535 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी के शेयर 28 अगस्त 2020 को 17.59 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 29 अगस्त 2025 को 114.05 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 3 साल में ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में 207 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट आई है। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर पिछले एक साल में 38 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं।

बोर्ड मीटिंग से पहले प्राइवेट बैंक आरबीएल के शेयरों में धमाका

मुंबई, एजेंसी। बोर्ड मीटिंग से पहले आज प्राइवेट सेक्टर के बैंक आरबीएल के शेयरों में आज धूम-धड़ाका देखने को मिल रहा है। यह शेयर 5 चढ़कर 263.70 पर पहुंच गया। यह इसके 52-हफ्ते के उच्चस्तर 272.90 के काफी करीब है, जो 18 जुलाई, 2025 को छुआ था। इस तेजी की मुख्य वजह आज होने वाली बोर्ड मीटिंग है, जिसमें फंड जुटाने की योजना पर विचार किया जाना है।

आज सुबह 10:37 बजे तक, आरबीएल बैंक के शेयरों की काफी अधिक मात्रा में खरीद-फरोख्त हुई। एनएसइ और बीएसइ पर कुल 34.6 मिलियन शेयरों का व्यापार हुआ, जो कंपनी के कुल इक्विटी का 5.7 है। यह आम दिनों के मुकाबले दोगुना से भी ज्यादा है।

बैंक की बोर्ड मीटिंग आज यानी 29 अगस्त, 2025 को होनी है। इसमें बैंक फंड जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करेगा। दरअसल, पिछले साल अगस्त 2024 में हुई बैंक की एजीएम में शेयरधारकों ने 3,500 करोड़ क्यूआइपी के जरिए और 3,000 करोड़ डेब्ट सिक्योरिटीज के प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए जुटाने की मंजूरी दी थी, लेकिन यह मंजूरी एक साल बाद एक्सपायर हो गई और बैंक ने इसके तहत कोई भी फंड नहीं जुटाया।

पहली तिमाही में आरबीआई के अनुमान से ज्यादा रह सकती है वृद्धि दर

खपत और मांग से तय होगा भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ने की रफ्तार चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में आरबीआई के 6.5 फीसदी के अनुमान से ज्यादा रह सकती है।वहीं, अन्य एजेंसियों ने वृद्धि दर इससे ज्यादा रहने का अनुमान लगाया है।इक्रा ने पहली तिमाही के लिए 6.7 फीसदी का अनुमान दिया है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान 6.8 से 7 फीसदी तक का है। रॉयटर्स के सर्वे के मुताबिक, पहली तिमाही की अर्थव्यवस्था की रफ्तार 6.7 फीसदी रह सकती है।

सरकार पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को शाम पांच बजे जारी करेगी।अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ लागू होने के बाद पहली तिमाही के मजबूत आंकड़ों से बाजार पूरे वित्त वर्ष की तस्वीर देखने की कोशिश करेगा। जीडीपी आंकड़ों में खास नजर निजी खपत और मांग पर होगी। वर्तमान स्थिति में यह देखना जरूरी होगा कि भारत ने निजी खपत और मांग के मोर्चे पर कैसा प्रदर्शन किया है। ऊंचे टैरिफ की वजह से घटते निर्यात के बीच अब घरेलू मांग एवं खपत ही अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि का समर्थन कर सकती है।

सरकारी पूंजीगत खर्च में सालाना 52 फीसद की उल्लेखनीय वृद्धि ने पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। इस खर्च ने नौकरियों के सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास, सीमेंट, स्टील और इंजीनियरिंग सामानों की मांग को प्रोत्साहित किया है। केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च 2.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। यह वृद्धि निजी क्षेत्र की निवेश में कमी को संतुलित करने में महत्वपूर्ण रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खपत में उछाल से शहरी मांग की कमजोरी संतुलित होने की उम्मीद है। अनुकूल मानसून और रिकॉर्ड फसल उत्पादन से ग्रामीण आय बढ़ी है, जिससे एफएमसीजी, कृषि उपकरण और ग्रामीण खुदरा क्षेत्र में तेजी आ सकती है। पहली तिमाही टैरिफ से ज्यादा प्रभावित नहीं हुई है, इसलिए अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मजबूत रह सकता है। दूसरी तिमाही से पूरा असर होगा।इससे 2025-26 में वृद्धि दर घटकर 6.3 से 6.5 फीसदी के बीच रह सकती है।

बचत खाता खोलने को जरूरी नहीं है स्थानीय पते का सबूत, आरबीआई का नहीं है ऐसा कोई नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। आपके पास स्थानीय पते का कोई सबूत नहीं है, तो भी बैंक में बचत खाता खोल सकते हैं। हालांकि, निजी और सरकारी बैंकों की मनमानी ये है कि वे इन खातों को नहीं खोलते हैं। आरबीआई का ऐसा कोई नियम नहीं है, जिसमें बचत खाता खोलने के लिए स्थानीय पते का सबूत जरूरी हो। बैंकों की मनमानी का फायदा पेमेंट्स बैंक उठा रहे हैं और करोड़ों खाते खोल रहे हैं। दरअसल, एक से दूसरे शहर जाने पर नौकरीपेशा वालों को कभी-कभी बैंक खाता खोलने की जरूरत होती है। लेकिन, बैंक ऐसे लोगों से स्थानीय पते का सबूत मांगते हैं, जो अधिकतर के पास नहीं होता है। पेइंग गेस्ट या दोस्तों-रिश्तेदार के यहां रहने वाले लोगों के पास स्थानीय पते का सबूत नहीं होता है।

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड जैसे राज्यों से बड़े पैमाने पर ग्रामीण आबादी काम के लिए दूसरे शहरों में जाती है। इन लोगों को बैंक खातों की जरूरत होती है। लेकिन, दिक्कत यह है कि किसी भी शहर में बैंक खाता खोलने के लिए उनसे स्थानीय पते का सबूत मांगा जाता है।बैंकों की इस मनमानी से नौकरीपेशा हो या दिहाड़ी मजदूर, सबको परेशानी होती है। इस बारे में आरबीआई के सूत्रों ने बताया, केंद्रीय बैंक का ऐसा कोई भी नियम नहीं है। कोई भी व्यक्ति जो भारत का निवासी है एवं वह किसी और शहर में जाता है, तो उसके मूल शहर के आधार कार्ड या किसी अन्य दस्तावेज के आधार पर बचत खाता खोल सकते हैं। इंडसइंड बैंक के नए एमडी राजीव आनंद ने कहा, पता कहीं का भी हो, हम खाता खोल सकते हैं। लेकिन, पते के सबूत के लिए जो आवश्यक दस्तावेज हैं, उसकी जरूरत होती है। ठु एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मुख्य परिचालन अधिकारी ए. गणेश कहते हैं।

मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने बताया फॉर्मूला

रोजगार भी बढ़ेगा और रिस्क भी कम होगा

नई दिल्ली, एजेंसी।

मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने गुरुवार को कहा कि छोटी कारों को लाने की जरूरत है जिन पर कम टैक्स लगे। ऐसा करने से आबादी के एक बड़ा हिस्से को एक विकल्प मिल पाएगा। इससे वे रिस्की दोपहिया वाहनों से पैसेंजर वीइकल (कारों) की ओर शिफ्ट हो सकेंगे। मारुति सुजुकी की 44वीं एनुअल जनरल मीटिंग में बोलते हुए भार्गव ने बताया कि समय के साथ एमिशन और सेफ्टी के नियमों में बदलाव आने से एंट्री-लेवल कारों की कीमत बढ़ गई हैं। इससे कई संभावित खरीदारों के लिए वे महंगी हो गई हैं। भार्गव ने कहा कि यह देखते हुए कि आबादी का एक बड़ा हिस्सा पर्सनल ट्रांसपोर्टेशन के लिए दोपहिया वाहनों पर निर्भर है। इन वाहनों में ज्यादा रिस्क और असुविधा है। ऐसे में उन कारों को

लाने पर विचार करने की जरूरत है जो स्कूटर मालिकों को एक विकल्प दे सकें। उन्होंने बताया कि 1950 के दशक में जापान ने केई कारों को लाकर ऐसी ही समस्या का हल निकाला था। मारुति इंडिया के चेयरमैन ने कहा कि 2018-19 में यह तय किया गया था कि भारत में यूरोपीय सेफ्टी और एमिशन स्टैंडर्ड्स लागू किए जाएं। उन्होंने कहा कि यही वजह रही कि छोटी कारों में गिरावट और कार इंडस्ट्री में ओवरऑल धीमापन आया। उन्होंने कहा कि निचले तबके के कई लोग, जो दोपहिया वाहन खरीद रहे हैं और उनका उपयोग कर रहे हैं, वे अधिक कीमत वाली सुरक्षित कारें खरीदने में असमर्थ हैं। भार्गव ने कहा, हमारा मानना है कि हमें इस स्थिति को इस तरह संतुलित करने की जरूरत है कि दोपहिया वाहन चलाने वाले लोग सुरक्षित कारों की तरफ जा सकें, क्योंकि सुरक्षा की दृष्टि से दोपहिया वाहन सबसे अधिक जोखिम भरे होते हैं। उन्होंने कहा कि स्मॉल कार कैटगरी के रिवाइवल से कार उद्योग की समग्र वृद्धि तेजी से हो सकती है।

रोजगार के मौके

उन्होंने कहा, छोटी कारों को बढ़ावा देने पर ज्यादा उद्योग लगेंगे और रोजगार के ज्यादा मौके बनेंगे। मुझे लगता है कि इन सब की जरूरत है, खासकर ऐसे समय में जब बाकी क्षेत्रों में हुनरमंद लोगों की कमी जैसी परेशानियां सामने आ रही हैं। हमें पूरे भारत की स्थिति को बेहतर बनाने में अपना योगदान देना होगा।''

अडानी-अंबानी अब आसमान में दिखा रहे अपनी रुतबा और दौलत का जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दो बड़े उद्योगपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी अब आसमान में भी अपनी रुतबा और दौलत का जलवा दिखा रहे हैं। अडानी ने 1000 करोड़ रुपये का बोइंग 737 मैक्स 8 बीबीजे बिजनेस जेट खरीदा है, जबकि अंबानी पहले से ही इसी सीरीज का मैक्स 9 जेट रखते हैं। दोनों जेट अपनी-अपनी खूबियों के साथ न सिर्फ हवाई सफर को 5 स्टार होटल का अनुभव देते हैं , बल्कि कारोबार की दुनिया में इन दिग्गजों की शान का प्रतीक भी बन चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अडानी के पास जितने जेट हैं, उसमे यह सबसे महंगा है। यह भारत से लंदन तक बिना रुके जा सकता है। इसके साथ ही अमेरिका और कनाडा तक एक बार ईंधन भरने के बाद पहुंचने में सक्षम है। यह जेट अहमदाबाद आ चुका है। उनके पास कनाडा, ब्राजील और स्विस सीरीज के भी जेट मौजूद हैं।

स्विट्जरलैंड में कराया इंटीरियरः अडानी ने बोइंग से 737 मैक्स 8-बीबीजे सीरीज के जेट का इंटीरियर का काम स्विट्जरलैंड में कराया। यानी जेट के अंदर की सजावट पर ही 35 करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं। इंटीरियर के काम करने पर दो साल का समय लग गया। इसमें प्रीमियम लाउंज, कॉन्फ्रेंस रूम, सुइट बेडरूम, लग्जरी बाथरूम जैसी सुविधाएं हैं।

मुकेश अंबानी के पास पहले से मौजूदः रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पास 737 बीबीजे सीरीज का ही मैक्स 9 जेट हैं। उन्होंने यह 24 अगस्त 2024 को खरीदा था। हालांकि बोइंग 737 मैक्स 200 सीटर विमानों का प्रयोग एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा, स्पाइसजेट कंपनियां भी करती हैं। यह देश में यह पहला ऐसा जेट है और इसकी अनुमानित लागत 1,200-1,400 करोड़ रुपये है।

एशिया कप से पहले बीसीसीआई का फैसला

टीम इंडिया के साथ यूएई नहीं जाएंगे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. एशिया कप इस बार 9 सितंबर को शुरू होगा, जबकि खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को निर्धारित है. संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहे इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है. 15 सदस्यीय भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई है, जबकि शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया गया है. भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप के लिए यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, रियान पराग, वॉशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल को स्टैंड बाय खिलाड़ियों के तौर पर रखा है. पहले अटकलें लग रही थीं कि ये पांचों खिलाड़ी भारतीय टीम के साथ यूएई जा सकते हैं, लेकिन अब भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने साफ कर दिया है कि स्टैंड बाय के तौर चुने गए खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट में ये बात निकलकर सामने आई है.

जब बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछा गया कि क्या ये खिलाड़ी नेट बॉलर या बैकअप के तौर पर टीम के साथ जाएंगे, तो उन्होंने पीटीआई से कहा, नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई की यात्रा नहीं करेंगे. बता दें कि भारतीय टीम मैनेजमेंट कम खिलाड़ियों के साथ यात्रा करना चाहती है. अगर जरूरत पड़ी तो स्टैंडबाय खिलाड़ियों को बाद में दुबई बुलाया जाएगा.

भारतीय टीम में तीन ओपनर बल्लेबाज मौजूद

भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे ओपनर मौजूद हैं. इसलिए यशस्वी जायसवाल तभी मुख्य स्क्वॉड में शामिल होंगे, जब कोई सलामी बल्लेबाज चोटिल होगा. इसी तरह जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से कोई बाहर होता है, तो ही तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को मुख्य टीम में शामिल किया जाएगा. एशिया कप के भारतीय टीम 17 खिलाड़ियों की हो सकती थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने मुख्य स्क्वॉड में सिर्फ 15 खिलाड़ियों को ही चुना. भारतीय खिलाड़ी इस बार अपने-अपने शहरों से सीधे दुबई जाएंगे. यानी वो एक साथ दुबई की यात्रा नहीं करेंगे. 4 सितंबर को दुबई भारतीय खिलाड़ी इकट्ठा होंगे. भारतीय टीम का पहला नेट सेशन 5 सितंबर को आईसीसी एकेडमी में होगा. एशिया कप में भारतीय टीम अपना पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी. इसके बाद 14 सितंबर को वो दुबई में ही पाकिस्तान से भिड़ेगी. एशिया कप में भारतीय टीम अपना आखिरी ग्रुप मैच 19 सितंबर को अबूधाबी में ओमान से खेलेगी. ग्रुप स्टेज के बाद सुपर-4 मुकाबले होंगे. सुपर-चार स्टेज में टॉप पर रहने वाली दो टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा.

Hulk Hogan के मौत पर हुआ चौंकाने वाला खुलासा

पत्नी ने इन पर लगाया इल्जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। के दिग्गज हल्क होगन का 24 जुलाई को 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शुरुआती रिपोर्टों में उनकी मौत का कारण दिल का दौरा बताया गया था, लेकिन अब उनकी पत्नी स्काई डेली ने मेडिकल लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक चौंकाने वाला दावा किया है। जिसके बाद पूरी रेसलिंग दुनिया को सदमा सा लग गया है। हर कोई इस खुलासे के बाद हैरान है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्काई का मानना है कि मई में हुई होगन की गर्दन की सर्जरी के दौरान उनकी फ्रेनिक नर्व, जो सांस लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है, उसको नुकसान पहुंचा था। स्काई ने एक निजी ऑटोप्सी भी करवाई है, जिससे उनके इन दावों को बल मिलता है।

फ्रेनिक नर्व को नुकसान

स्काई डेली के अनुसार, सर्जरी के बाद होगन को सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। 911 कॉल के दौरान भी स्काई ने कहा था कि मेरे पति सांस नहीं ले रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि 911 कॉल से यह संकेत मिलता है कि होगन की मौत अचानक दिल का दौरा पड़ने से नहीं, बल्कि सांस रुकने की वजह से हुई थी। होगन के थेरेपिस्ट ने भी इसी तरह के दावे किए हैं, जिसमें कहा गया है कि सर्जरी के दौरान फ्रेनिक नर्व कट गई थी। यह नर्व छाती से डायाफ्राम तक जाती है और सांस लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डायमंड लीग फाइनल | नीरज चोपड़ा को जूलियन वेबर ने पछाड़ा

91.51 मीटर थ्रो के साथ वेबर ने जीता खिताब

ज्यूरिख, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए। नीरज चोपड़ा दूसरे स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर 91.51 मीटर थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे। नीरज चोपड़ा से डायमंड लीग फाइनल में शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद थी। लेकिन, अपने आखिरी प्रयास में 85.01 मीटर भाला फेंककर वह दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा के छह में से शुरुआती पांच प्रयासों में दो थ्रो वैध रहे जबकि तीन फाउल रहे। अपने आखिरी प्रयास में उन्होंने 85.01 भाला फेंक केशोर्न वॉलकॉट को पछाड़ दूसरा स्थान हासिल किया। वॉलकॉट तीसरे स्थान पर रहे। पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 82.06 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे। चोपड़ा का यह प्रदर्शन उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से कम है। विजेता जूलियन वेबर ने पहले ही प्रयास में 91.37 मीटर का थ्रो फेंका। इसके बाद 91.51 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने अपना स्थान पक्का कर लिया। ये वेबर का नया रिकॉर्ड है। चोपड़ा ने जून में पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करके डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। 2022 में ज्यूरिख में 88.44 मीटर का थ्रो फेंककर नीरज ने खिताब जीता था, जबकि 2023 और 2024 में भी वे फाइनल में पहुंचे लेकिन खिताब हासिल करने से चूक गए थे। डायमंड लीग 2024 में खिताब जीतने से सिर्फ 1 सेंटीमीटर से पीछे रह गए थे। उन्हें ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से मात मिली थी, जिन्होंने 87.87 मीटर का थ्रो किया था। जैवलिन के विश्व चैंपियन रह चुके नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। जैवलिन में देश के लिए पदक जीतने वाले वह पहले एथलीट रहे थे। पेरिस ओलंपिक में भी उनसे स्वर्ण की उम्मीद थी। लेकिन, वह चूक गए थे। इसके बाद डायमंड लीग में उनसे शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद जताई जा रही थी। पेरिस ओलंपिक के बाद अपना कोच बदलने वाले नीरज के खेल में तकनीकी कमी नजर आई और वह ज्यूरिख में भी शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर सके।

राजीव शुक्ला बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बने

रोजर बिन्नी ने पद छोड़ा, 2022 में पदभार संभाला था

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रोजर बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले, 65 साल के शुक्ला बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट थे। हाल ही में बीसीसीआई सूत्रों ने बताया था, मौजूदा प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी जुलाई महीने में 70 साल के हो जाएंगे। बीसीसीआई के नियम के अनुसार, किसी भी पदाधिकारी को 70 साल की उम्र के बाद अपना पद छोड़ना होगा। बिन्नी ने 2022 में सौरव गांगुली की जगह बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला था। वे 19 जुलाई को 70 साल के हो गए। शुक्ला 2020 से बीसीसीआई के उपाध्यक्ष के पद पर थे रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजीव शुक्ला कुछ महीनों के लिए कार्यभार संभालेंगे। वो नए अध्यक्ष चुने जाने तक कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। शुक्ला साल 2020 से बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट के पद पर काम कर रहे हैं।

क्या है नियम?

बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, किसी भी पदाधिकारी को 70 साल के उम्र के बाद अपना पद छोड़ना पड़ता है। ऐसे में टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी रोजर बिन्नी पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो गए थे।

दलीप ट्रॉफी

दानिश मालेवार ने बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड, दोहरा शतक ठोक बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन की ओर से खेल रहे टॉप ऑर्डर बल्लेबाज दानिश मालेवार ने कमाल कर दिया है. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ 203 रनों की पारी खेली. दानिश ने अपनी पारी में 36 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी इस पारी के दम पर सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 532 रन बनाए. कप्तान रजत पाटीदार ने इस स्कोर पर पारी घोषित की. दानिश मालेवर ने अपने इस दोहरे शतक से

वो कारनामा कर दिखाया जो कभी किसी विदर्भ के खिलाड़ी ने नहीं किया था. दानिश मालेवार ने जैसे ही दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया वैसे ही उनका नाम विदर्भ क्रिकेट में अमर हो गया. दरअसल दानिश विदर्भ के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने दलीप ट्रॉफी में डेब्यू मैच में ही दोहरा शतक लगा दिया है. अबतक सिर्फ चार बल्लेबाजों ने दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक ठोका है जिसमें यशस्वी जायसवाल, बाबा अपराजित, बाबा इंद्रजीत शामिल हैं. अब इसमें दानिश का नाम भी शामिल हो गया है.

दानिश मालेवार का कमाल करियर

दानिश मालेवार महज 21 साल के हैं और इस खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन से ही फर्स्ट क्लास में डेब्यू किया. दानिश ने पहले ही रणजी सीजन में 9 मैचों में 2 शतक और 6 अर्धशतक के दम पर 783 रन ठोके. अब उनके बल्ले से दोहरा शतक भी निकल गया है जो कि उनके प्रोफेशनल करियर का पहला दोहरा शतक है. दानिश मालेवार की बैटिंग एवरेज 50 पार है. दानिश मालेवार ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में भी शतक लगाया था. विदर्भ प्रो लीग में भी दानिश ने कमाल बैटिंग की थी. इसमें उन्होंने 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 6 मैचों में 318 रन ठोके थे.

एशिया कप हॉकी

हीरो एशिया कप 2025 की धमाकेदार शुरुआत, मलयेशिया ने बांग्लादेश को 4-1 से हराया

राजगीर, एजेंसी। पूरे मैच में बांग्लादेश को कई मौके मिले लेकिन मलयेशियाई डिफेंस और गोलकीपर ने उन्हें नाकाम कर दिया। अंततः मुकाबला 4-1 के स्कोर के साथ मलयेशिया के नाम रहा। राजगीर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शुक्रवार को हीरो एशिया कप 2025 की शुरुआत हुई। पहले मुकाबले में मलयेशिया ने बांग्लादेश को 4-1 से शिकस्त दी। मैच सुबह नौ बजे शुरू हुआ और पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। चौथे मिनट में बांग्लादेश को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन उसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। दूसरे क्वार्टर के 16वें मिनट में बांग्लादेश के इस्लाम अशरफुल ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, 23वें मिनट में मलयेशिया के हामसानी अशरन ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। हाफ टाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा। तीसरे क्वार्टर के 35वें मिनट में मलयेशिया के अनुअर अकीमुल्लाह ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 45वें मिनट पर अबुदु राउफ मुजाहिर ने तीसरा गोल कर बढ़त को और मजबूत किया।

यूएस ओपन 2025: कोको गॉफ ने यूएस ओपन के तीसरे राउंड में मारी एंट्री

ओसाका को भी मिली आसान जीत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोको गॉफ ने अपनी प्रतिद्वंद्वी डोना वेकिच को हराकर यूएस ओपन 2025 के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मुकाबले को 7-6, 6-2 से अपने नाम किया। इस जीत के साथ गॉफ लगातार चौथे साल यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंची हैं। इसके साथ ही, वह अब न्यूयॉर्क में अपने मुख्य ड्रॉ के 79 प्रतिशत मैच जीत चुकी हैं। 2023 की चैंपियन का अगला मुकाबला 28वीं वरीयता प्राप्त मैग्डेलेना फ्रेच से होगा। इससे पहले, विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने शुरुआती मुकाबलों में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने विश्व की 66वें नंबर की खिलाड़ी सुजैन लामेंस का सामना करते हुए 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज करके तीसरे दौर में प्रवेश किया। स्वियाटेक ने शुरुआती सेट में लामेंस के खिलाफ दबदबा बनाया और 6-1 से जीत हासिल की, लेकिन लामेंस ने वापसी करते हुए दूसरा सेट जीत लिया। हालांकि बाद में स्वियाटेक ने तीसरा सेट 6-4 से जीत लिया। स्वियाटेक दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी हैं। 2012 में सेरेना विलियम्स के बाद, वह एक ही कैलेंडर वर्ष में विंबलडन और यूएस ओपन एकल जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं। वह अब तीसरे राउंड में 29वीं वरीयता प्राप्त अन्ना कालिंस्काया से भिड़ेंगी, जिन्हें उन्होंने सिनसिनाटी में डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के दौरान महज 13 दिन पहले सीधे सेटों में हराया था।

लियोनेल मेसी का संन्यास !

4 सितंबर को हो सकता है आखिरी घरेलू मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। फुटबॉल के सबसे बड़े स्टार में से एक लियोनल मेसी ने एक बड़ा इशारा दे दिया है कि अर्जेंटीना के साथ उनका सफर आखिर दौर में पहुंच रहा है. 38 साल के मेसी ने बात करते हुए कहा कि 4 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाला वर्ल्ड कप क्वालिफायर शायद उनका आखिरी घरेलू मैच हो सकता है. अर्जेंटीना पहले ही 2026 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुका है और 35 अंकों के साथ साउथ अमेरिकन टेबल में टॉप पर है. लेकिन मेसी के लिए ब्यूनर्स आयर्स के एस्टादियो मोन्यूमेंटल में होने वाला यह मैच सिर्फ एक कंपटीशन भर नहीं है, बल्कि यह उनके लिए बड़ा इमोशनल मोमेंट होगा.

मेसी ने अपने फेयरवेल मैच के बारे में क्या कहा?

मेसी ने इंटर मियामी की लीग्स कप सेमीफाइनल में ऑरलैंडो सिटी को हराने के बाद कहा- यह मेरे लिए खास होने वाला है, बहुत ही खास मैच होगा, क्योंकि यह मेरा आखिरी क्वालिफायर गेम है. मुझे नहीं पता इसके बाद कोई फ्रेंडली या और मैच होंगे या नहीं.... पर हां, यह मैच मेरे लिए बहुत खास है और इसी वजह से मेरा पूरा परिवार मेरे साथ होगा. मेरी पत्नी, मेरे बच्चे, मेरे माता-पिता, मेरे भाई-बहन और मेरी पत्नी की तरफ से जितने रिश्तेदार हो सकें.

बिना शादी के 3 बच्चे....

अब 44 की उम्र में चौथी बार फिर

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस की मशहूर पूर्व टेनिस स्टार अन्ना कुर्निकोवा एक बार फिर लाइमलाइट में हैं. 44 साल की उम्र में उन्होंने चौथी प्रेग्नेंसी की खबर देकर अपने फैन्स को हैरान कर दिया है. वह और उनके लंबे समय से पार्टनर, मशहूर स्पैनिश सिंगर एनरिके इग्लेसियस (50), अपने चौथे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं.

सेहत को लेकर उठे सवाल, अब आई राहत- कुछ महीने पहले अन्ना को व्हीलचेयर और प्रोटेक्टिव बूट में देखा गया था. उस दौरान उनकी तबीयत को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं, लेकिन अब उनके प्रेग्नेंट होने की पुष्टि के बाद फैन्स को राहत मिली है. स्पैनिश मैगजीन ने दावा किया है कि कुर्निकोवा इस वक्त प्रेग्नेंसी के मिड-फेज में हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं.

पहले से तीन बच्चों की मां- अन्ना और एनरिके के पहले से ही तीन बच्चे हैं, दो जुड़वां बच्चे लूसी और निकोलस, जो 7 साल के हो गए हैं और छोटी बेटी मैरी, जो 5 साल की है. हाल ही में मियामी में उन्हें बच्चों को मार्शल आर्ट्स क्लास के लिए ले जाते हुए देखा गया था, जिससे यह साफ हुआ कि वह एक सेहतमंद और एक्टिव लाइफ जी रही हैं.

करण टैकर ने यशराज स्टूडियो में शाहरुख खान से अपनी पहली मुलाकात को याद किया

टीवी के हार्टथ्रॉब से लेकर OTT और फिल्मों तक, करण टैकर ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। लेकिन उनके करियर की शुरुआत हुई थी यशराज फिल्म्स की रब ने बना दी जोड़ी से – वही फिल्म जिसमें सुपरस्टार शाहरुख़ ख़ान लीड में थे।

करण हमेशा शाहरुख़ को अपना हीरो बताते आए हैं। हालाँकि फिल्म में उनका सीधा स्क्रीन-टाइम शाहरुख़ के साथ नहीं था, लेकिन सालों बाद जब उन्होंने एक अवॉर्ड शो होस्ट किया तो स्टेज शेयर करने का मौका मिला। वही क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। करण बताते हैं कि वही उनका शाहरुख़ से पहली बार आमना-सामना था। करण कहते हैं,यशराज स्टूडियो में अवॉर्ड्स हो रहे थे और मेरा मेकअप रूम शाहरुख़ सर के सामने था। उनका दरवाज़ा खुला था और मैं झाँक-झाँक कर देख रहा था – हीरो सामने हो तो कौन नहीं झाँकेगा! पहली बार बस एक हैलो हुआ और फिर सीधे स्टेज पर उनसे रूबरू हुआ। दिल धड़कना तो नैचुरल था, क्योंकि सामने वही थे जिन्हें मैं हमेशा से अपना हीरो मानता आया हूँ। कभी-कभी जब मैं वो वीडियो देखता हूँ तो सोचता हूँ यार, मैं तो पूरा फैनबॉय मोड में चला गया था। बस उन्हें देखता रह गया, बोलती बंद! पर यही तो उनकी खासियत है – कूल, चार्मिंग और इतना प्यारा कि इंसान बस उनको सुनता ही रह जाए। करण बताते हैं कि हाल की दिवाली पार्टी में उन्हें शाहरुख़ के साथ थोड़ा डांस करने का भी मौका मिला और वो उनके लिए ड्रीम मोमेंट था।

शहनाज गिल की

फिल्म इक्क कुड़ी का नया गाना गड़बड रिलीज

शहनाज गिल की फिल्म इक्क कुड़ी का गुरुवार को मेकर्स ने नया गाना गड़बड रिलीज कर दिया है। शहनाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने को शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, जिंदगी गड़बड़ न हो जाए! फिल्म का नया गाना गड़बड़ अब रिलीज हो गया है। अभी देखें! फिल्म इक्क कुड़ी सिनेमाघरों में 19 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी। गाने में जिंदगी की उथल-पुथल और भविष्य की परेशानी को फिल्माया गया है, जिसमें जिंदगी में होने वाली गड़बड़ के डर को दिखाया गया है। गाने को नूरन ने अपनी आवाज दी है। वहीं, म्यूजिक मिक्स सिंह का है और लिरिक्स विक्की संदू ने लिखे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जिसकी जानकारी शहनाज ने एक पोस्ट के जरिए दी थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर टीजर जारी कर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, ये जानकारी देते हुए बहुत उत्सुकता हो रही है कि फिल्म इक्क कुड़ी का टीजर जारी हो गया। उम्मीद है कि आपको पसंद आएगा। दुनिया चाहे जितनी भी बदल जाए, कुछ कहानियां कभी नहीं बदलतीं। इक्क कुड़ी का अब टीजर जारी हो चुका है। अमरजीत सोरन ने फिल्म का निर्देशन किया है और कहानी भी लिखी है। शहनाज गिल इस फिल्म से बतौर निर्माता डेब्यू भी कर रही हैं। यह एक पंजाबी महिला-केंद्रित फिल्म है। फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी की चुनौतियों और सामाजिक मुश्किलों से जूझती है।

अजुल को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर आए गुरु रंधावा

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजुल' को लेकर इन दिनों विवादों में हैं। एक तरफ जहां गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में छा गया, वहीं अब सोशल मीडिया पर इसके कंटेंट को लेकर एक बड़ा वर्ग आपत्ति जता रहा है। आरोप है कि म्यूजिक वीडियो में स्कूल गर्ल्स की छवि के साथ खिलवाड़ किया गया है और उनकी तुलना शराब ब्रांड्स से की गई है। इसी के लिए अब सिंगर को लोगों की तरफ से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। 'अजुल' में गुरु रंधावा एक फोटोग्राफर बने हैं, जो एक गर्ल्स स्कूल में क्लास फोटो खींचने पहुंचते हैं। यूजर्स की मानें तो जहां गाने में मासूमियत और सादगी दिखाई जानी चाहिए थी, वहां उन्हें अश्लीलता और भड़काऊ विजुअल्स दिखाई दिए। वीडियो में दिख रही सभी महिलाएं व्यस्क हैं, लेकिन उन्हें स्कूल की लड़कियों के रूप में दिखाया गया है। यही बात दर्शकों को खटक गई और आरोप लगा कि इस तरह के सीन युवाओं पर गलत असर डाल सकते हैं। सोशल मीडिया पर 'अजुल' को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। एक यूजर ने लिखा, अजुल का वायरल होना अजीब है, जबकि लोग इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि गुरु रंधावा ने स्कूली लड़कियों की तुलना शराब से की।

मलाइका अरोड़ा का ये पोज देखकर फैंस ने पूछा सवाल

इतनी खूबसूरती लेकर पलटना लीगल है क्या?

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस, फैशन सेंस और ट्रैवल डायरी को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। चाहे रेड कार्पेट वाला अवतार हो या कोई ट्रेंडी आउटफिट फैंस का ध्यान खींच ही लेता है। गुरुवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मेलबर्न की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से दो में उनके क्लोज अप शॉट हैं। वहीं एक फोटो में वह अपनी फ्रेंड्स के साथ इंजॉय करती दिख रही हैं। मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक कलर का ओवरकोट कैरी किया है। उन्होंने एक हैंडबैग ले रखा है और बाल खुले हुए हैं, जो उनके पूरे लुक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं। वह कैमरे की तरफ मुड़कर पलट वाला पोज देती दिख रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपने दोस्तों के साथ ठीक वैसा ही पोज देती नजर आ रही हैं, यानी सब एक साथ मुड़कर कैमरे की तरफ पलट रहे हैं। इन फोटोज के साथ मलाइका ने कैप्शन में सिर्फ लिखा, पलट। उनकी इन तस्वीरों पर फैंस बेहद मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, पलट... वरना प्यार हो जाएगा! बता दें कि यह शाहरुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का लोकप्रिय डायलॉग है। दूसरे फैन ने लिखा, इतनी खूबसूरती लेकर पलटना लीगल है क्या? मलाइका के एक और फॉलोवर ने लिखा, आपने पलट के देखा और हमारा दिन बन गया! कुछ फैंस उनके फैशन सेंस की तारीफ करते हुए लिख रहे हैं, स्टाइलिश क्वीन, हमेशा की तरह कमाल लग रही हो! वहीं कुछ लोगों ने उनकी फिटनेस की भी तारीफ की और लिखा, इतनी उम्र में भी इतनी ग्लैमरस लगना आसान नहीं! मलाइका ने अपने करियर की शुरुआत 1990 के दशक में एमटीवी इंडिया के लिए वीजे के रूप में की थी। जब उन्होंने बॉलीवुड में हाथ आजमाया तो उन्हें एक मजबूत पहचान एक्टिंग से ज्यादा आइटम नंबर्स से मिली। 2010 में रिलीज हुई फिल्म दबंग का मुन्नी बदनाम हुई काफी हिट रहा था। मलाइका ने 1998 में अभिनेता अरबाज खान से शादी की थी और 2017 में उनका तलाक हो गया था।

टूटते रिश्ते देखकर खौफ में एक्ट्रेस

38 की उम्र में भी नहीं करना चाहती शादी

बॉलीवुड

एक्ट्रेस जरीन खान 38 साल की हैं. लेकिन अभी तक एक्ट्रेस ने शादी नहीं रचाई है. शादी की बात को लेकर एक्ट्रेस कई बार बोल चुकी हैं. एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि वो शादी नहीं करना चाहती है और सिंगल ही खुश हैं. एक्ट्रेस इसकी वजह भी बताई. अपने बोल्ड और बेबाक किरदारों के लिए फेमस एक्ट्रेस जरीन खान अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर बात रखती हैं. सोशल मीडिया पर एक्टिव जरीन अक्सर अपने बेबाक अंदाज से सुर्खियों में छा जाती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने बोल्ड कपड़ों को लेकर टिप्पणी की थी. 38 साल की जरीन अभी तक कुंवारी हैं. उन्होंने अभी तक ब्याह नहीं रचाया है. इसको लेकर एक्ट्रेस कई बार जवाब भी दे चुकी हैं. उनका कहना है कि वो शादी नहीं करना चाहती हैं. फिल्मीज्ञान को दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि आखिर वो क्यों शादी नहीं करना चाहती हैं. इसके पीछे कारण है. जरीन ने कहा था- 'मेरा मानना है कि जिंदगी में कंपेनियन होने के लिए आपको शादी के ठप्पे की जरुरत नहीं है.' इसपर आगे बोलते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि 'अगर दो लोग एक-दूसरे को पसंद करते हैं, तो इसका मतलब ये नहीं कि आपको शादी ही करनी है, क्योंकि अभी के जमाने में तो वैसे ही 3-6 हफ्ते में शादियां टूट रही हैं.' जरीन ने शादी को एक बहुत ही पवित्र इंस्टीटूशन बताया और कहा कि, 'कई लोग इसकी इंसल्ट कर रहे हैं. इसलिए मैं उसका हिस्सा ही बनना चाहती हूं.' इससे पहले भी एक्ट्रेस ने शादी पर तंज कंसते हुए कहा था, क्या शादी कोई जादू है? जैसे शादी होते ही सब ठीक हो जाएगा? क्योंकि आजकल मैं जो देखती हूं, ज्यादातर शादियां 2-3 महीने से ज्यादा नहीं टिकतीं. इसलिए नहीं, मुझे बिल्कुल नहीं लगता कि शादी हर समस्या का हल है.

सलमान खान संग किया था डेब्यू

सलमान खान संग वीर फिल्म से डेब्यू करने वाली जरीन कई फिल्मों में शानदार काम कर चुकी हैं. हेट स्टोरी 2 और हॉउसफुल 2 से उन्हें जबरदस्त पहचान मिली. हालांकि एक्ट्रेस कई सालों से फिल्मों से दूर हैं.

'द बंगाल फाइल्स' में अनुपम खेर ने निभाई महात्मा गांधी की भूमिका, विवेक अग्निहोत्री ने की तारीफ

विवेक अग्निहोत्री की बहुप्रतीक्षित फिल्म द बंगाल फाइल्स में अनुपम खेर महात्मा गांधी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके लिए निर्देशक ने उनकी तारीफ में एक पोस्ट किया है। विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी द बंगाल फाइल्स जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अनुपम खेर महात्मा गांधी की भूमिका में दिखेंगे। डायरेक्टर ने फिल्म से जुड़ा एक वीडियो क्लिप शेयर कर अनुपम खेर की तारीफ की है और उन्हें शानदार एक्टर बताया है। विवेक अग्निहोत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अनुपम खेर गांधी की भूमिका में दिख रहे हैं। यह क्लिप आगामी फिल्म द बंगाल फाइल्स का है। इसे साझा करते हुए निर्देशक ने कहा, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित अनुपम खेर साहब सिर्फ भारतीय सिनेमा के महान कलाकार नहीं हैं, बल्कि विश्व सिनेमा के भी एक चमकते सितारे हैं। फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में वे गांधी का किरदार निभा रहे हैं। एक ऐसा किरदार, जिसमें गहराई, सच्चाई और ईमानदारी की जरूरत है। अभिनेता ने अपनी समझदारी और अनुशासन से एक बार फिर खेर साहब ने ये साबित कर दिया है कि वे सच में एक महान कलाकार हैं।' 'द बंगाल फाइल्स' में 1946 में हुए डायरेक्ट एक्शन डे की कहानी दिखाई जाएगी, जिसमें कोलकाता में दंगा और नोआखाली नरसंहार जैसी घटनाएं शामिल होंगी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले ही विवादों का सामना करना पड़ रहा है।

साभार एजेंसी